mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-306 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
07 नवंबर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

आईसीसी की बैठक...

@ पेज 7

13 साल में पहली बार समर्थकों से मिल सकेगा आसाराम

रेप केस में राजस्थान-गुजरात हाईकोर्ट से मिली जमानत 6 महीने जेल से बाहर रहेगा

जोधपुर, एजेंसी। रेप केस में सजा काट रहे आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट के बाद गुरुवार को गुजरात हाईकोर्ट से भी जमानत मिल गई। कोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर 6 महीने के लिए जमानत देते हुए सजा स्थगित कर दी है। गुजरात हाईकोर्ट में आज सुनवाई के दौरान आसाराम उर्फ आशुमल (86) के वकील देवदत्त कामत ने कोर्ट को बताया- आसाराम 13 साल से जेल में बंद है। हिरासत प्रमाण-पत्र के अनुसार उसने छूट सहित कुल 12 साल, 11 महीने और 27 दिन की सजा काट ली है। जबकि वास्तविक हिरासत अवधि 11 साल, 6 महीने और 3 दिन की है।

राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के आधार पर दी जमानत-वकीलों के पक्ष सुनने के बाद गुजरात हाईकोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के आधार पर आसाराम को 6 महीने की जमानत दी है। दोनों अदालतों ने उनकी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति और उम्र को ध्यान में रखते हुए राहत प्रदान की है। आसाराम को पॉक्सो एक्ट के तहत विशेष न्यायालय, जोधपुर ने 25 अप्रैल 2018 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उस पर नाबालिग से रेप और अन्य संगीन आरोप थे।

सीजेआई बोले-कोर्ट न्याय का मंदिर हो, सेवन स्टार होटल नहीं

बॉम्बे हाईकोर्ट के नए परिसर की नींव रखी, फिजूलखर्ची न करने की सलाह

मुंबई, एजेंसी। भारत के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि कोर्ट की बिल्डिंग न्याय का मंदिर होना चाहिए, न कि सेवन स्टार होटल। जज अब कोई भगवान नहीं रहे। वे आम नागरिकों की सेवा के लिए हैं।

गवई ने ये बातें बुधवार को बांद्रा में बन रही बॉम्बे हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग की नींव रखते हुए कहीं। गवई ने कहा कि नया भवन किसी शाही ढांचे जैसा न दिखे बल्कि संविधान के मूल्यों के अनुसार बने। इसके साथ ही CJI ने फिजूलखर्ची से बचने की भी सलाह दी। बतौर चीफ जस्टिस गवई का यह आखिरी महाराष्ट्र दौरा था। उन्होंने कहा कि वह अपने गृह राज्य में न्यायिक बुनियादी ढांचे से संतुष्ट हैं। गवई 23 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। उनकी जगह जस्टिस सूर्यकांत अगले CJI होंगे। गवई ने बताया- पहले वह कार्यक्रम में आना नहीं चाहते थे गवई ने आगे बताया कि शुरुआत में वह बिल्डिंग की नींव रखने के कार्यक्रम में शामिल होने से हिचकिचा रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने फैसला बदल दिया। दरअसल, उनसे कहा गया था कि पता नहीं फिर कब बॉम्बे हाईकोर्ट का कोई जज कब CJI के पद पर पहुंचे, ऐसे में गवई ने कार्यक्रम में आने ही हामी भर दी। उन्होंने कहा कि जब यह इमारत बनकर तैयार हो जाएगी, तो यह मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर सबसे प्रतिष्ठित संरचना होगी।

फिल्म हक पर रोक से हाईकोर्ट का इनकार:

इंदौर के शाहबानो केस पर बनी है मूवी; बेटी ने लगाई थी रिलीज रोकने की याचिका

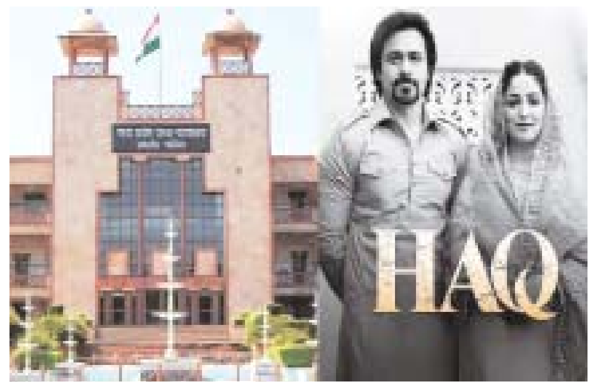

इंदौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने शाहबानो केस पर आधारित फिल्म 'हक' की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। शाहबानो की बेटी और कानूनी वारिस सिद्दिका बेगम खान ने कोर्ट में याचिका लगाकर फिल्म के रिलीज, प्रदर्शन और प्रमोशन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की थी। उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर सुपर्ण एस. वर्मा, जंगली पिक्चर्स, बावेजा स्टूडियोज और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) के चेयरपर्सन को कानूनी नोटिस भी भेजा था। याचिका में सिद्दिका बेगम का कहना था कि फिल्म मेकर्स ने शाहबानो पर फिल्म बनाने से पहले उनकी कानूनी वारिस से कोई अनुमति नहीं ली है। फिल्म में शरिया कानून की नकारात्मक छवि दिखाई गई है, जिससे मुस्लिम समुदाय की भावनाएं आहत हो सकती हैं। इससे पहले हाईकोर्ट ने 4 नवंबर को दो घंटे चली सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि फिल्म हक 7 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

डायलॉग के वर्जन खराब और आपत्तिजनक- हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट तौसीफ वारसी, जंगली पिक्चर की ओर से सीनियर एडवोकेट अजय बागडिया, इंसोमनिया मीडिया एंड कंटेट सर्विसेज लिमिटेड की तरफ से हितेश मेहता और मिनिस्ट्री ऑफ ब्रॉडकास्ट की ओर से एडवोकेट रोमेश दवे उपस्थित हुए।

हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता सिद्दीका बेगम की ओर से एडवोकेट तौसीफ वारसी ने तर्क रखे। उन्होंने कहा- फिल्म के टीजर और ट्रेलर में कुछ ईवेंट्स ऐसे दिखाए हैं, जो मेरी मुवक्किल की मां की प्रतिष्ठा, सम्मान को धूमिल करते हैं। इसमें डायलॉग के कुछ वर्जन खराब और आपत्तिजनक हैं। वास्तविक जिंदगी में उनके माता-पिता के बीच ऐसे संवाद कभी नहीं रहे। एडवोकेट वारसी ने तर्क रखा- एक तरफ तो फिल्म के निर्माता कहते हैं कि शाहबानो बेगम ने संघर्ष किया था। खासकर महिला होकर, जबकि उस समय महिला सशक्तिकरण इतना मजबूत नहीं था, जितना आज है। शाहबानो ने पति से अधिकार की लड़ाई लड़ी। धर्म के पहलू का ध्यान रखा और कोर्ट से खुद का अधिकार हासिल किया।

बिहार की जनता सब जानती है, इसलिए वो जंगलराज नहीं लाना चाहती : अमित शाह

बेतिया, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को बेतिया के रामनगर विधानसभा क्षेत्र के खैरवा टोला मैदान में चुनावी सभा को संबोधित किया और लोगों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कर उन्हें भारी मतों से जीताने का आह्वान किया। इस विधानसभा सीट पर दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होना है।

चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग शासन काल में बिहार जंगलराज से मुक्त हुआ है। पिछले 20 वर्षों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बिहार को जंगलराज से मुक्त कराने का काम किया है। 2005 से पहले लालू-राबड़ी के 15 वर्षों के शासनकाल का हाल जनता से छुपा नहीं है, जब बिहार में हर तरफ हत्या, लूट अपहरण और घोटाला का राज था। लेकिन आज डबल इंजन की सरकार में बिहार ही नहीं, पूरा देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। राजग सरकार के नेतृत्व में जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। गृह मंत्री ने कहा कि चम्पारण, जहां कभी अपहरण उद्योग का धंधा चलता था, आज यहां का चतुर्दिक विकास हो रहा हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में घुस कर आतंकियों का सफाया करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि राजग की सरकार देश के महिलाओं को रोजगार उन्मुख व सशक्त बनाने को लेकर कई परियोजनाएं चला रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में एक करोड़ तीस लाख जीविका दीदियों के खाते में 10-10 हजार रुपये देकर उन्हें छोटे रोजगारों से जोड़ने काम किया है।

अमित शाह ने कहा कि बिहार को विकसित बनाने के लिए राजग को जीत दिलाने की जरूरत है। लोगों से राजग उम्मीदवार नंदकिशोर राम के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि यह चुनाव आपके नेता या विधायक चुनने का नहीं हैं, यह बिहार के विकास का चुनाव है।

बिहार सरकार को ब्यूरोक्रेट्स के साथ केंद्र की भाजपा सरकार चला रही है :राहुल गांधी

अररिया, एजेंसी। अररिया आजाद एकेडमी के मैदान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनावी सभा को संबोधित किया और बिहार सरकार के साथ केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार सरकार को ब्यूरोक्रेट्स के साथ केंद्र की भाजपा सरकार चला रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर बिहार में उद्योग स्थापित करने के लिए जमीन नहीं होने की बात बिहार सरकार करती हैं, दूसरी ओर अडानी को सौ एकड़ जमीन उपलब्ध कराने का काम करती है। सरकार के कथनी और करनी में अंतर है। उन्होंने केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री पर नफरत की राजनीति करने की बात कही। राहुल गांधी ने जंगलराज के मामले में कहा कि नरेन्द्र मोदी,अमित शाह और नीतीश कुमार जंगलराज की बात करते हैं। जंगलराज तो दिल्ली में है। ईडी,सीबीआई,इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का राज,नफरत का राज,गरीबों और किसानों से उनका हक छीनने का राज,मजदूरों को कुचलने वाला राज,नोटबंदी वाला राज,गलत जीएसटी वाला राज,बेरोजगारी वाला राज,ये सब हैं असली जंगलराज,जिसे भाजपा सरकार चलाती हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि जब बिहार में महागठबंधन की सरकार आयेगी तो सरकार में सबकी आवाज सुनी जाएगी।सबके हित की बात होगी।रोजगार दिलाने के साथ ही उच्च शिक्षा,स्वास्थ्य,सरकारी कॉलेज और यूनिवर्सिटी के साथ हाई क्वालिटी वाला इंग्लिश मीडियम वाली सरकारी स्कूल खोली जाएगी। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के लिए पैसे खर्च नहीं करना पड़े,ऐसी सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस दिन देश में इंडी गठबंधन की सरकार बन जाएगी,गारंटी है दुनिया की सबसे बेहतरीन यूनिवर्सिटी नालंदा यूनिवर्सिटी के तर्ज पर बिहार में यूनिवर्सिटी खोले जाएंगे जहां न केवल देश के बल्कि दूसरे देशों चीन,जापान,वियतनाम,फ्रांस,अमेरिका से शिक्षा ग्रहण करने बिहार आएंगे।

माफिया-अपराधियों को जब भी सत्ता का स्वाद चखाओगे, तो कीमत चुकाओगे : योगी आदित्यनाथ

पश्चिमी चंपारण, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बिहार में ताबड़तोड़ रैलियां और जनसभाएं जारी है। गुरुवार को अपनी दूसरी रैली में उन्होंने प्रदेश की पूर्व उपमुख्यमंत्री और बेतिया विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार रेणु देवी के लिए कमल खिलाने की अपील की। इस जनसभा के दौरान योगी आदित्यनाथ ने जहां केंद्र सरकार की योजनाओं को गिनाया, वहीं कांग्रेस व राष्ट्रीय जनता दल (राजद) समेत पूरे महागठबंधन पर करारा प्रहार किया। पश्चिम चंपारण के नौतन में चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज बिहार में विकास की सारी योजनाएं हैं। बिहार बदलकर समृद्धि की तरफ बढ़ा है। राजद के शासन काल में 1990 से 2005 के मध्य 60 से अधिक जातीय नरसंहार और अपहरण की 30 हजार घटनाएं हुईं। उस समय इंजीनियर, डॉक्टर, बच्चे और व्यापारी के साथ ही सड़क एवं पुल का भी अपहरण हो जाता था। पेशेवर माफिया और अपराधी इनके शागिर्द बनते थे। उन्होंने लोगों से कहा कि माफिया व अपराधियों को सत्ता का स्वाद नहीं चखने देना चाहिए। जब भी इन्हें सत्ता का स्वाद चखाओगे, तो कीमत चुकाओगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पहले चरण की 121 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हो रही है। नौजवान, किसान, श्रमिक, माताएं, बहनें, युवा सभी राजग को वोट दे रहे हैं। रुझान बता रहा कि 14 नवंबर को परिणाम आने पर राजग सरकार का नारा फिर बुलंद होगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में इनके पार्टनर सपा व कांग्रेस माफिया को गले लगाकर चलती थी और जनता का शोषण करती थी। हमने कहा कि यह नहीं चलेगा। आज यूपी में नौजवान को नौकरी, रोजगार, शिक्षा, बहन-बेटियों को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन मिल रहा है। वहां युवा मस्त व माफिया पस्त हैं। यूपी में माफिया को बुलडोजर से रौंद दिया गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, लखनऊ में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आवास के सामने दुर्दांत माफिया ने गरीबों की जमीनों पर कब्जा करके हवेली बनाई थी। एक दिन मैंने कहा कि इसे कब्जे में ले लो। मैं बताऊंगा कि क्या करना है। फिर कब्जे में लेकर उस हवेली पर बुलडोजर चलवाया गया।

राहुल ने जिसकी फोटो दिखाई वह ब्राजीलियन मॉडल सामने आई

कहा- क्या पागलपन है, मैं भारत नहीं गई; दावा- 10 बूथ पर इनके 22 वोट

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस ब्राजीलियन मॉडल की तस्वीर दिखाई थी, उसका एक वीडियो सामने आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इं पर कई अकाउंट से महिला का वीडियो पोस्ट करते हुए दावा किया गया कि उनका नाम लेरिसा है। वीडियो में महिला पुर्तगाली भाषा में बात करते हुए कहती है- दोस्तों, मैं आपको एक जोक सुनाती हूं। यह बहुत ही भयानक है! भारत में वोट देने के लिए मेरी तस्वीर का इस्तेमाल हो रहा है। मुझे भारतीय बताकर आपस में लड़ रहे हैं। देखो, क्या पागलपन है! मैं तो कभी भारत भी नहीं गई।

राहुल ने कहा था- ब्राजीलियन मॉडल ने हरियाणा में वोट डाला :राहुल ने कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि हरियाणा में 2024 विधानसभा चुनाव में 25 लाख वोट चोरी हुए। राहुल ने नीली डेनिम जैकेट पहने एक लड़की की फोटो दिखाकर सवाल किया कि हरियाणा की वोटर लिस्ट में ब्राजीलियन मॉडल का क्या काम है।

ब्रिटिश अधिकारी का स्वागत करने के लिए बनाया गया राष्ट्रगान, भाजपा सांसद के दावे पर हंगामा

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक में एक भाजपा सांसद ब्रिटिश अधिकारी के स्वागत में लिखा गया था। भाजपा सांसद के इस दावे पर विवाद हो गया है। कांग्रेस नेता और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने भाजपा सांसद के इस बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे पूरी तरह बकवास और आरएसएस का व्हाट्सएप इतिहास का ज्ञान बताया।

भाजपा सांसद ने ऐसा क्या कहा, जिस पर विवाद हुआ :कर्नाटक से भाजपा सांसद विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी ने होन्नावर में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि देश का राष्ट्रगान ब्रिटिश अधिकारी का स्वागत करने के लिए लिखा गया था। उत्तर कन्नड़ से भाजपा सांसद ने तर्क दिया कि वंदे मातरम को ज्यादा अहमियत दी जानी चाहिए, और वंदे मातरम और जन गण मन दोनों का दर्जा बराबर है। उन्होंने कहा, मैं इतिहास में नहीं जाना चाहता। वंदे मातरम को राष्ट्रगान बनाने की जोरदार मांग थी, लेकिन हमारे पूर्वजों ने तब वंदे मातरम के साथ-साथ जन गण मन को भी रखने का फैसला किया, जिसे ब्रिटिश अधिकारी का स्वागत करने के लिए बनाया गया था।

बिहार विधानसभा चुनाव

वैशाली में आजेडी समर्थकों ने सीआरपीएफ जवानों पर फेंके पत्थर,सीवान में भाजपा कैंडिडेट ने बुर्का हटाने को कहा, हंगामा

5 बजे तक 60.13प्रतिशत वोटिंग

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज की वोटिंग अपने अंतिम पड़ाव पर है। 18 जिलों की 121 सीटों पर वोटिंग का आखिरी घंटा है। हालांकि कुछ सीटों पर 5 बजे वोटिंग खत्म हो गई। शाम 5 बजे तक 60.13 वोटिंग हुई है।

आज की 121 सीटों में 104 सीटों पर सीधा मुकाबला है, जबकि 17 सीटों पर त्रिकोणीय लड़ाई है। बिहार की 243 सीटों पर 2 फेज में चुनाव हो रहे हैं। 14 नंवबर को नतीजे आएंगे।

वैशाली में राजद प्रत्याशी के भड़काने पर लोगों ने CAPF जवानों पर पत्थर फेंके। दरअसल, आरजेडी प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ जुटे हुए थे, जवानों ने उन्हें हटाया तो हंगामा हो गया। हालांकि, इसमें किसी को चोट नहीं आई है।

सीवान के गोरेयाकोठी विधानसभा के लकड़ी नवीगंज प्रखंड की बूथ संख्या 349-350 पर बीजेपी प्रत्याशी देवेशकांत सिंह का स्थानीय वोटरों ने विरोध किया है। वोट चोर के नारे भी लगाए। लोगों का आरोप है कि वो मुस्लिम महिलाओं का बुर्का हटाने की बात कह रहे थे।

इधर, लखीसराय में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के काफिले पर पथराव हुआ है। गाड़ी पर गोबर, चप्पलें फेंकी गई। गुस्साए डिप्टी सीएम ने कहा, ये सब राजद के गुंडे हैं। NDA जीत रहा, तो इन्हें तकलीफ हो रही है। इन सब की छाती पर बुलडोजर चलेगा।

पहले चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर मतदान के साथ ही कई सियासी दिग्गजों की किस्मत ईवीएम में बंद हो जाएगी। तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, अनंत सिंह, मैथिली ठाकुर और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा सहित नीतीश सरकार के 16 मंत्रियों की किस्मत का फैसला पहले चरण में होगा।

- **छपरा में 150 वोटर के नाम लिस्ट से गायब:** छपरा विधानसभा के ब्रह्मपुर मोहल्ले के 150 लोगों का नाम वोटर लिस्ट से गायब है। इसे लेकर लोगों में आक्रोश हैं। वोटर्स इसे साजिश बता रहे हैं।
- **पहले फेज में 10 हॉट सीट:** जिसमें तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव, सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, अनंत सिंह समेत कई बड़े चेहरों की साख दांव पर है।
- **संवेदनशील बूथों पर 5 बजे तक वोटिंग:** सिमरी बख्तियारपुर, महिषी, तारापुर (मुंगेर जिला) और जमालपुर में सुरक्षा कारणों से मतदान शाम 5 बजे तक हुआ।
- **पीठासीन अधिकारी की तबीयत बिगड़ी:** फतुहा विधानसभा के हाजीपुर गांव स्थित बूथ संख्या 254 पर तैनात पीठासीन अधिकारी की तबीयत खराब हो गई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
- **हिरासत में 4 भाजपा कार्यकर्ता:** बिहारशरीफ में मतदान के दौरान पुलिस ने 4 बीजेपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि ये लोग वार्ड 16 में बूथ संख्या 226 से 232 के पास पर्ची बांट रहे थे।
- **वोटिंग देखने 7 देशों से 16 डेलिगेशन टीम पहुंचीं:** वोटिंग प्रोसेस देखने के लिए 7 देशों से 16 डेलिगेट्स की टीम बिहार पहुंची है। इनमें इंडोनेशिया, कोलंबिया, फिलीपींस, फ्रांस, बेल्जियम, दक्षिण अफ्रीका और थाईलैंड के प्रतिनिधि आए हैं।

बिलासपुर में एक ही ट्रैक पर फिर आई 3 ट्रेनें,यात्री ट्रेन के आगे-पीछे खड़ी हो गईं दो मालगाड़ियां; मेमू से नीचे उतरे लोग

बिलासपुर ,एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में दो दिन पहले कोरबा पैसेंजर और मालगाड़ी की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई। अब गुरुवार को दोबारा एक ही ट्रैक पर 3 ट्रेनें दौड़ने लगी। मेमू लोकल ट्रेन के आगे और पीछे दो मालगाड़ी खड़ी हो गई। अचानक ट्रेनों को रोक दिया गया। जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, यात्रियों में अफरा-तफरी जरूर मच गई। जानकारी के मुताबिक, कोटमीसोनार और जयरामनगर स्टेशन के बीच की यह घटना है। अचानक तीनों ट्रेनों के एक ही ट्रैक पर आने की जानकारी मिलने पर यात्रियों में सहम गए। कई यात्री सुरक्षा की वजह से ट्रेन से नीचे उतर आए। रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने तुरंत कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। ट्रैक पर बाकी ट्रेनों की आवाजाही को रोक दी गई है।

रेलवे ने बताया रूटीन प्रक्रिया : वहीं, रेलवे इस घटना को सामान्य और रूटीन बता रहा है। अफसरों का कहना है कि ऑटो सिग्नल प्रणाली में इस तरह से एक रूट पर एक से अधिक गाड़ियां चल सकती है। लेकिन, लालखदान के पास हुए हादसे के बाद यात्री दहशत में आ गए। आगे पीछे से मालगाड़ी देखकर यात्री ट्रेन से उतर गए।

साल में होते हैं 63 लाख चालान, निपटाए जाते हैं सिर्फ 22 लाख; अब हर महीने लगेंगी लोक अदालत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में हर साल करीब 63 लाख चालान (चालान व नोटिस दोनों चालान) होते हैं और दिल्ली की विभिन्न लोक अदालतों में साल में सिर्फ 22 लाख चालान निपटाए जाते हैं। ये सुनने में अटपटा लग रहा होगा, मगर ये हकीकत है। इससे दिल्ली की सभी कोर्ट में चालानों की पेंडेंसी बढ़ती जा रही है। कुल 3.5 करोड़ रुपये दिल्ली की विभिन्न कोर्ट में पड़े हुए हैं। ऐसे में अब दिल्ली की अदालतों में हर महीने लोक अदालतें लगेंगी। इससे लोगों की परेशानियां कम होंगी। चालानों के लिए बनी दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति प्रतीक जलान की कमेटी ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी (डीएसएलएसए) को आदेश दिया था कि हर महीने लोक अदालतें आयोजित की जाएं, ताकि चालानों को तरीके से निपटारा हो सके। इस मामले को लेकर डीएसएलएसए की एक बैठक 28 अक्तूबर को हुई थी। इस बैठक के बाद अब 8 नवंबर को दिल्ली की सभी कोर्ट में लोक अदालतें लगाना तय किया गया है। दिल्ली ट्रैफिक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली की सभी कोर्ट में 180 लोक अदालतें लगी हैं। इनमें करीब 1 लाख 80 हजार से 2 लाख चालान निपटाए जाते हैं।

पहले एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट निपटाते थे : पहले दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट चालानों को निपटाते थे। इससे चालानों को निपटारा तो जल्दी होता था। मगर इन एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की भ्रष्टाचार आदि को लेकर शिकायत होने लगीं। इसके बाद वर्ष 2010 में इस सिस्टम को बंद कर दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि परिवहन मंत्रालय इस सिस्टम को लाने पर विचार कर रहा है। सबसे पहले तो चालान सही होना चाहिए। दूसरा सिस्टम बैंक खाते से जुड़ा होना चाहिए। चालान की राशि खुद की बैंक खाते से कट जाए। अगर उसके खिलाफ वाहन चालक कोर्ट जाए तो उसको उसकी अनुमति होनी चाहिए। सिंगापुर में जाम को रोकने के लिए रोड प्राइसिंग टैक्स लिया जाता है। चालान भरने के लिए फास्ट ट्रैक सिस्टम भी होना चाहिए।

-कमर अहमद सेवानिवृत्त, आईपीएस अधिकारी: ट्रैफिक नियमों के उल्लंघनों में पकड़ी जा रहीं बसें राजधानी की सड़कों पर सार्वजनिक बसें यातायात के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के आंकड़े बताते हैं कि बस चालकों द्वारा किए गए ट्रैफिक नियम उल्लंघन

दो साल में तीन गुना बढ़ गए हैं। डीटीसी और क्लस्टर बसों से लेकर प्राइवेट कंपनियों की बसें लगातार ओवरस्पीडिंग, गलत पार्किंग, बिना इंडिकेटर लेन बदलने और स्टॉप लाइन पार करने जैसे उल्लंघनों में पकड़ी जा रही हैं।

2023 में 8,059 ऑन-द-स्पॉट चालान दर्ज हुए थे, जबकि जुलाई 2025 तक यह संख्या 24,462 तक पहुंच चुकी है। यानी, हर दिन औसतन सौ से ज्यादा बसें ट्रैफिक नियम तोड़ रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा न केवल सड़क अनुशासन की पोल खोलता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि बस चालकों पर निगरानी और ट्रेनिंग व्यवस्था कितनी कमजोर है। परिवहन विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि सभी बस चालकों के लिए मासिक ड्राइविंग मूल्यांकन और मनोवैज्ञानिक फिटनेस टेस्ट अनिवार्य किए जाएं। साथ ही बसों में ऑटोमैटिक स्पीड लिमिट और जीपीएस मॉनिटरिंग सिस्टम को अनिवार्य किया जाए।

ओवरस्पीडिंग के अधिक मामले: कैमरा या एप-आधारित चालानों में ओवरस्पीडिंग के सबसे ज्यादा मामले हैं। 2023 में 7,771 से बढ़कर 2024 में 8,278 हो गए, फिर 50 फीसदी से बढ़कर 2025 में 11,676 हो गए। वहीं गलत पार्किंग के लिए 10,549 चालान किए गए, जबकि रेड लाइट जंपिंग और स्टॉप लाइन उल्लंघन में कमी आई है।

गर्भ में पल रहे भ्रूण तक भी पहुंच रहा प्रदूषण का असर, आईआईटी दिल्ली के अध्ययन में हुआ खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में बढ़ते वायु प्रदूषण का असर सिर्फ वयस्कों के स्वास्थ्य पर ही नहीं, बल्कि गर्भ में पल रहे शिशुओं तक पर पड़ रहा है। ऐसे में गर्भ में पल रहा शिशु भी सुरक्षित नहीं है। सर्दी की सुबह, कोहरा नहीं धुआं है, जो सांस में घुलते ही खराश, गले में दर्द के साथ कई बीमारियां लेकर आता है। लेकिन सबसे ज्यादा डर उस मां को है, जिसके गर्भ में नन्हा मेहमान पल रहा है। प्रदूषण के कारण हवा में मौजूद सूक्ष्म कण (पीएम 2.5) और जहरीली गैसें मां के शरीर के जरिए सीधे बच्चे के विकास को प्रभावित करती हैं।

डॉक्टरों की चेतावनी है कि ये जहरीला कोहरा अस्थमा, समय से पहले जन्म और विकास में रुकावट जैसी भयानक समस्याएं पैदा कर सकता है। वहीं, आईआईटी दिल्ली समेत कई प्रमुख शोध संस्थानों द्वारा किए गए एक संयुक्त अध्ययन में यह सामने आया है कि गर्भावस्था के दौरान हवा में पीएम 2.5 का स्तर बढ़ने से बच्चों के समय से पहले जन्म लेने और कम वजन के साथ पैदा होने की संभावना में काफी वृद्धि होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब गर्भवती महिला प्रदूषित हवा में सांस लेती है, तो सूक्ष्म कण फेफड़ों के जरिए खून में घुल जाते हैं और प्लेसेंटा तक पहुंच जाते हैं। इससे भ्रूण की ग्रोथ पर सीधा असर पड़ता है। गर्भ में बच्चे की सुरक्षा क्यों है जरूरी गर्भ में बच्चे की सभी शारीरिक संरचनाएं एक निश्चित समय अवधि के दौरान विकसित होती हैं। इस दौरान यदि किसी भी तरह की बाहरी नकारात्मक परिस्थिति, जैसे

प्रदूषित हवा, शरीर में प्रवेश करती है, तो यह सीधा बच्चे के अंगों के विकास, फेफड़ों की क्षमता, दिमागी विकास और प्रतिरोधक क्षमता पर प्रभाव डाल सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि जन्म के बाद ऐसे बच्चे सांस की दिक्कत, एलर्जी, कम वजन और बार-बार बीमार होने की समस्या से जूझ सकते हैं।

आईआईटी दिल्ली के अध्ययन में हुआ खुलासा: हाल ही में आईआईटी दिल्ली और अन्य प्रमुख संस्थानों द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि गर्भावस्था के दौरान पीएम 2.5 का स्तर बढ़ने से बच्चों के जन्म में समय से पहले पैदा होने और कम वजन के साथ जन्म लेने की संभावना बढ़ जाती है। अध्ययन के अनुसार, जब हवा में पीएम 2.5 का स्तर 40 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से ऊपर जाता है, तो इससे गर्भवती महिलाओं और उनके बच्चों पर गंभीर असर पड़ता है। अध्ययन में यह पाया गया कि हर 10 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर पीएम 2.5 के बढ़ने पर कम वजन वाले बच्चों के जन्म की दर में 5 फीसदी और समय से पहले जन्म की दर में 12 फीसदी तक वृद्धि हो

बढ़ते प्रदूषण के बीच घरों के पौधे बने 'प्राकृतिक रक्षक', ये पौधे घर की हवा को बनाए रखते हैं शुद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी की जहरीली हवा के बीच घरों में लगाए जाने वाले पौधे 'प्राकृतिक रक्षक' बनकर सामने आए हैं। स्नेक प्लांट, पीस लिली, मनी प्लांट, एरिका पाम और तुलसी जैसे पौधे घर के अंदर की हवा को साफ करने में मदद कर सकते हैं।

नासा की 'क्लीन एयर स्टडी' और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की रिपोर्ट के अनुसार, ये पौधे पीएम 2.5, फॉर्मेल्डिहाइड, बेंजीन और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे हानिकारक तत्वों को 20 से 30 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं। एक पर्यावरण संस्था 'ब्रीद ईजी दिल्ली' ने हाल में 100 घरों में एक अध्ययन किया। नतीजा यह रहा कि अगर हर 10 वर्ग मीटर जगह में 2 से 3 पौधे रखे जाएं, तो घर के अंदर का प्रदूषण लगभग 25 प्रतिशत तक घट जाता है। स्नेक प्लांट रात में ऑक्सीजन छोड़ता है, जो स्मॉग से भरे दिनों में खास तौर पर फायदेमंद है। पीस लिली घर की नमी संतुलित रखता है और फफूंद को बढ़ने से रोकता है।

स्नेक प्लांट, पीस लिली, मनी प्लांट, एरिका पाम उपयुक्त: बागवानी विशेषज्ञ वाईपी सिंह ने बताया कि दिल्ली की जलवायु के लिए विशेषज्ञ जिन पौधों को सबसे उपयुक्त मानते हैं, उनमें स्नेक प्लांट, पीस लिली, मनी प्लांट, एरिका पाम और तुलसी प्रमुख हैं। स्नेक प्लांट फॉर्मेल्डिहाइड और बेंजीन जैसे जहरीले तत्वों को सोखता है और इसे हफ्ते में सिर्फ एक बार पानी व अप्रत्यक्ष रोशनी की जरूरत होती है। पीस लिली अमोनिया और ट्राइक्लोरोएथिलीन हटाने में मदद करता है और इसे नम मिट्टी और छायादार स्थान पसंद है।

पौधों की देखरेख के लिए विशेषज्ञों की सलाह: पौधों को सुबह 2-3 घंटे धूप जरूर दें। सर्दियों में रात के समय उन्हें अंदर रखें।

अमेरिका में 36वें दिन भी शटडाउन, अब विमान यात्रियों की बढ़ेगी मुश्किल

अमेरिका में मिसिसिपी राज्य के सीएफ इंडस्ट्रीज प्लांट में विस्फोट, कर्मचारी सुरक्षित

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी राज्य मिसिसिपी के याजू सिटी में बुधवार दोपहर सीएफ इंडस्ट्रीज प्लांट में भीषण विस्फोट के कारण रासायनिक रिसाव हुआ है। फिलहाल इससे विक्सबर्ग और वॉरेन काउंटी के निवासियों के लिए कोई खतरा नहीं माना जा रहा।

द विक्सबर्ग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सीएफ इंडस्ट्रीज के एक विनिर्माण संयंत्र में विस्फोट के बाद हुए रासायनिक रिसाव के कारण कुछ स्थानीय निवासियों को अपना घर खाली करना पड़ा। मिसिसिपी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के मुख्य संचार अधिकारी स्कॉट सिमंस ने बताया कि संयंत्र में अमोनिया का रिसाव होने की आशंका है। मिसिसिपी पर्यावरण गुणवत्ता विभाग और अन्य एजेंसियों के अधिकारी मौके पर हैं।

एनबीसी से संबद्ध डब्ल्यूएलबीटी जैक्सन टेलीविजन की रिपोर्ट के अनुसार, काउंटी में एक अमोनिया संयंत्र में हुए विस्फोट के बाद याजू सिटी के सभी निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर रहने के लिए कहा गया है। यह घटना बुधवार शाम लगभग 4ः25 बजे यूएस 49 ईस्ट स्थित सी.एफ. इंडस्ट्रीज में हुई। वॉलमार्ट सहित आसपास के निवासियों और व्यवसायों को अपना स्थान खाली करने का निर्देश दिया गया है। अमेरिकन रेडक्रॉस ने प्रभावित लोगों की सुविधाके लिए एक आश्रयस्थल स्थापित किया है। यह आश्रयस्थल याजू काउंटी हाईस्कूल, 191 पैंथर ड्राइव पर स्थित है।

सीएफ इंडस्ट्रीज की वेबसाइट के अनुसार, इस संयंत्र में अमोनिया का निर्माण होता है। यह संयंत्र यूएस 49 ईस्ट-वेस्ट विभाजन के उत्तर में, हाइवे 49 ईस्ट के 4600 ब्लॉक में स्थित है। सीएफ इंडस्ट्रीज के अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय संयंत्र में मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं।

ट्रंप प्रशासन की घोषणा, देश के 40 प्रमुख हवाई अड्डों की उड़ानों में कटौती की जाएगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चल रहा सरकारी शटडाउन बुधवार को 36वें दिन में पहुंच गया। ट्रंप प्रशासन ने घोषणा की कि अगर गतिरोध जारी रहा और डेमोक्रेट्स नहीं माने तो देश के 40 प्रमुख हवाई अड्डों की उड़ानों में कटौती की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि यह योजना हवाई यातायात नियंत्रकों की मदद के लिए बनाई गई है। इसका प्रभाव हजारों उड़ानों पर पड़ेगा। इन उड़ानों को रद्द किया जा सकता है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार परिवहन सचिव सीन डफी ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह कटौती हवाई यातायात नियंत्रकों पर दबाव कम करने का एक प्रयास है। यह नियंत्रक शटडाउन से अब तक बिना किसी अतिरिक्त लाभ के काम कर रहे हैं और अक्टूबर मध्य से उन्हें वेतन नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि प्रशासन कटौती की विधिवत घोषणा गुरुवार को करेगा। विमानन सेवाओं के लिए साल का सबसे व्यस्त यात्रा सीजन आ रहा है। उन्होंने कहा कि यह कटौती शुक्रवार से लागू होगी। रिपोर्ट के अनुसार अगर ऐसा होता है तो लाखों यात्रियों को अल्प सूचना पर अपनी योजनाएं बदलने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। विमानन कंपनियों पर कटौती करने का दबाव है। एयरलाइंस फॉर अमेरिका के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे संघीय उड्डयन प्रशासन के संपर्क में हैं। अभी बदलाव के संकेत नहीं दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि परिवहन सचिव डफी संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) से संबद्ध हवाई यातायात नियंत्रकों पर पड़ रहे काम के अतिरिक्त दबाव को लेकर चिंता जताते रहे हैं। हवाई नियंत्रकों के स्वीकृत 14,000 पदों में से लगभग 3,000 खाली हैं। रिक्तियों की भरपाई के लिए मौजूदा नियंत्रक ओवरटाइम शिफ्ट में काम कर रहे थे। शटडाउन के कारण उन्हें दूसरे माह भी वेतन नहीं दिया गया है।

डफी ने इस सप्ताह की शुरुआत में चेतावनी दी थी कि अगर शटडाउन जारी रहा तो बड़े पैमाने पर अराजकता फैल जाएगी। एफएए बड़े संकट से बचने के लिए राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र के कुछ हिस्सों को यातायात के लिए बंद कर सकता है। उनकी बुधवार की घोषणा को इसी दिशा में अहम कदम माना जा है। डफी और एफएए प्रशासक ब्रायन बेडफोर्ड ने कर्मचारियों की कमी की दुहाई देते हुए कहा कि भविष्य और अधिक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।बेडफोर्ड ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि स्थिति बेहद गंभीर है। उड़ानों में कटौती ही आखिरी विकल्प नजर आ रहा है। उधर एफएए ने बुधवार को एयरलाइन उद्योग के अधिकारियों को बताया कि कटौती शुक्रवार को चार प्रतिशत की कटौती के साथ शुरू होगी और सप्ताहांत तक बढ़ती रहेगी, और अगले सप्ताह तक 10 प्रतिशत पहुंच जाएगी।

इस घोषणा के बाद टेक्सास के रिपब्लिकन सीनेटर और एफएए की देखरेख करने वाले सीनेट पैनल के अध्यक्ष टेड क्रूज़ ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, डेमोक्रेट आपदा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। डफी और बेडफोर्ड के पास देशभर में हवाई यात्रा में कटौती शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

हाउस ट्रांसपोर्टेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेट रिक लार्सन ने कहा कि एफएए को तुरंत कांग्रेस के साथ सुरक्षा जोखिम आकलन और संबंधित डेटा साझा करना चाहिए। विमानन विश्लेषकों का कहना है कि कटौती से देश का पर्यटन प्रभावित होगा। एफएए ने कहा है कि कटौती का प्रभाव 30 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से आधे पर पड़ेगा। इनमें न्यूयॉर्क और वाशिंगटन डीसी के तीनों हवाई अड्डे शामिल हैं। मिशिगन स्थित एक परामर्श फर्म एंडरसन इकोनॉमिक ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पैट्रिक एंडरसन ने कहा कि इसका आर्थिक प्रभाव पड़ने की संभावना है, क्योंकि देश के कई व्यस्ततम हवाई अड्डे क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।फ्लाइट अटेंडेंट्स एसोसिएशन ने भी बुधवार रात चिंता जताते हुए ट्रंप प्रशासन से शटडाउन खत्म कराने की अपील की है। एसोसिएशन की अध्यक्ष सारा नेल्सन ने कहा, हम जानते हैं कि जब विमान रुकते हैं तो क्या होता है। लोगों को दवाइयां नहीं मिलेंगी। रेस्टोरेंट में खाना और किराना दुकानों में सामान नहीं मिलता। लोग इलाज नहीं करवा पाएंगे।

ट्रंप ने जिनपिंग से हांगकांग जेल में बंद मीडिया कारोबारी जिमी लाई को रिहा करने की अपील की

हांगकांग/वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से हांगकांग की जेल में बंद एक प्रमुख मीडिया उद्योगपति जिमी लाई को रिहा करने की सीधी अपील की है। सूत्रों ने गुरूवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पिछले सप्ताह दक्षिण कोरिया की राजधानी क्वालालंपुर में जिनपिंग से मुलाकात के दौरान ट्रंप ने लाई की रिहाई का अनुरोध किया था। हालांकि दोनो नेताओं के बीच इस बाबत कोई विशेष वार्ता नहीं हुई लेकिन ट्रंप ने 77 वर्षीय इस प्रकाशन सम्राट पर राष्ट्रीय सुरक्षा आरोपों के तहत चले लंबे मुकदमे और उनकी सेहत एवं कल्याण को लेकर व्यापक चिंताओं का जिक्र किया था।

सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप ने जिमी लाई के मामले को उठाया। राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति जिनपिंग दोनों ने उसके बाद हुई चर्चा में भाग लिया। यह मसला ट्रंप ने उठाया और शी ने इसे अलग से नोट भी किया। सूत्रों ने

बताया कि ट्रंप ने सुझाव दिया कि लाई की रिहाई अमेरिका-चीन संबंधों के लिए अच्छी होगी और चीन की छवि के लिए भी यह फायदेमंद साबित होगी।

ट्रंप का यह सीधा हस्तक्षेप उस समय आया है जब लाई उस मुकदमे के फैसले का इंतजार कर रहे हैं जो 2019 में बड़े पैमाने पर लोकतंत्र के समर्थन में हुए प्रदर्शनों के बाद लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर चीन की सख्ती का प्रतीक माना जाता है। लाई बंद हो चुके लोकतंत्र समर्थक अखबार ऐपल डेली टैबलॉइड के संस्थापक हैं। हालांकि उन्होंने विदेशी ताकतों के साथ साजिश रचने दो आरोपों और राजद्रोह संबद्ध सामग्री प्रकाशित करने की साजिश के एक आरोप में खुद को निर्दोष करार दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने जिनपिंग से वार्ता से पहले कहा था कि वह लाई के मामले को उठाएंगे, लेकिन बाद में दोनो पक्षों के बयानों में इसका कोई जिक्र नहीं हुआ। इस बीच व्हाइट हाउस ने ट्रंप-शी बैठक के दौरान लाई पर चर्चा के सवालों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उसने ट्रंप-जिनपिंग वार्ता के दौरान इस मुद्दे के उठाए जाने की भी कोई पुष्टि नहीं की ।

अमेरिका के मिशिगन विवि में शोध कर रहे चीन के तीन नागरिकों ने जैविक पदार्थों की तस्करी का कुचक्र रचा, आपराधिक शिकायत

डेट्रॉइट, एजेंसी। मिशिगन विश्वविद्यालय के तीन शोधार्थियों पर जैविक पदार्थों की तस्करी करने का कुचक्र रचने का गंभीर आरोप लगा है। तीनों चीन के नागरिक हैं। चीन के इन नागरिकों के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने अपने एक्स हैंडल पर यह सूचना सार्वजनिक की है। मिशिगन पूर्वी जिला के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने की विज्ञप्ति में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। अमेरिकी अटॉर्नी जेरोम एफ. गोरगन जूनियर ने कहा है कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के तीन शोधार्थियों पर बुधवार को आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। तीनों पर संयुक्त राज्य अमेरिका में जैविक पदार्थों की तस्करी की साजिश रचने और अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा अधिकारियों को झूठे बयान देने का आरोप लगाया गया है। अमेरिकी अटॉर्नी गोरगन ने कहा, ÷ यह तीनों लोग मिशिगन विश्वविद्यालय की आड़ में खतरा पैदा कर रहे थे। यह हमारी सामूहिक सुरक्षा के लिए एक खतरा हैं। हम आगाह करने के लिए अपने विशिष्ट संघीय सहयोगियों के आभारी हैं।

चीन के इन तीनों आरोपितों की पहचान 28 वर्षीय शू बाई, 27 वर्षीय फेंगफान झांग और 30 वर्षीय झियोंग झांग के रूप में हुई है। तीनों जे-1 वीजा धारक शोधार्थी हैं। तीनों जियानझोंग जू की यूएम प्रयोगशाला में शोध कर रहे थे। इसे आमतौर पर शॉन जू प्रयोगशाला के रूप में जाना जाता है। आपराधिक शिकायत के अनुसार, 2024 और 2025 में बाई और फेंगफान झांग को गोल कृमियों से संबंधित छिपी हुई जैविक सामग्री वाले कई शिपमेंट प्राप्त हुए थे। इनको चेंगशुआन हान ने अमेरिका भेजा था। हान वुहान में जीवन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय से पीएचडी कर रहे थे। वह जून 2025 में यूएम की प्रयोगशाला में काम करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका आए। हान ने हाल ही में तस्करी के तीन मामलों और झूठे बयानों के एक मामले में कोई प्रतिवाद नहीं किया। उन्हें सजा सुनाई गई और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका से निकाल दिया गया। हान को संयुक्त राज्य अमेरिका से निकाले जाने के बाद यूएम ने शॉन जू प्रयोगशाला की आंतरिक जांच शुरू की। तब यह खुलासा हुआ। इसके बाद प्रतिवादियों ने हवाई यात्रा के प्रयास किए। दस अक्टूबर को संघीय एजेंटों ने प्रतिवादियों को उनके घर और अन्य जगहों पर ढूंढने का प्रयास किया लेकिन विफल रहे। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने कहा, ÷एफबीआई और हमारे सहयोगी कानून का उल्लंघन करने वालों को जवाबदेह ठहराएंगे। शैक्षणिक शोध के दौरान अवैध गतिविधियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। आरोपित चीनी नागरिक कथित तौर पर पहले भी अमेरिका में जैविक पदार्थों की तस्करी में शामिल थे।

स्वरोजगार योजनाओं से आत्मनिर्भरता की ओर - संभागीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेला की तैयारियों की कमिश्नर ने की समीक्षा

15 नवम्बर तक लक्ष्यानुसार स्वरोजगार प्रकरणों को स्वीकृत कराएं : कमिश्नर

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कमिश्नर रीवा संभाग बी.एस. जामोद ने नवम्बर माह में प्रस्तावित संभाग स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेला की तैयारियों की कलेक्ट्रेट कार्यालय सीधी के सभागार में गहन समीक्षा की। बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निपटाया जाए तथा आगामी 15 नवम्बर तक सभी पात्र आवेदकों को योजनाओं का लाभ स्वीकृत किया जाए। कमिश्नर ने कहा कि शासन की मंशा है कि हर बेरोजगार युवक-युवती को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की आधारशिला है। जब एक व्यक्ति आत्मनिर्भर बनता है, तो वह केवल अपना नहीं, अपने परिवार और समाज का भविष्य भी उज्जवल करता है।

जामोद ने निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारी आगामी तीन कार्य दिवसों में स्वरोजगार योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 125 प्रतिशत प्रकरण बैंकों को भेजें। साथ ही सभी बैंक शाखा प्रबंधक प्रकरणों का परीक्षण कर 15 नवम्बर तक स्वीकृति सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि विभागों और बैंकर्स को एक समर्पित टीम की तरह कार्य करना होगा। शासन का उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में स्थायी परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाएँ तभी सार्थक हैं जब उनका लाभ समाज के अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुँचे। स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से हम एक आत्मनिर्भर और समृद्ध समाज की नींव रख सकते हैं। कमिश्नर ने बताया कि स्वरोजगार योजनाएँ न केवल युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाती हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना भी उत्पन्न करती हैं। उन्होंने कहा कि आज का लाभार्थी कल का रोजगार सृजक बने कृ यही इस अभियान का उद्देश्य है।

बैठक में कमिश्नर ने जनजातीय कार्य विभाग एवं पिछड़ा वर्ग विभाग की अपेक्षित प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आगामी तीन दिवसों में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं हुई, तो संबंधित अधिकारियों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं होगी। कमिश्नर जामोद ने सभी अधिकारियों से कहा कि किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से निरस्त न करें। यदि किसी दस्तावेज़ में कमी हो तो आवेदक को मार्गदर्शन देकर उसे सुधारने का अवसर दें, ताकि अधिकतम संख्या में हितग्राही योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल संख्या पूरी करना नहीं, बल्कि हर योग्य व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है। यह केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के विकास का अभियान है।

दोस्त को दिखा रहा था देसी कट्टा, गलती से चली गोली युवक गंभीर; हथियार का सप्लाई नेटवर्क तलाश रही पुलिस

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप)। जिले के ग्राम बम्हनी में बुधवार शाम दो दोस्तों के बीच देसी कट्टा दिखाने के दौरान अचानक गोली चल गई, जिससे एक युवक गंभीर घायल हो गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद से ही आरोपी युवक फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर हिरासत में लेकर पूछताछ करने की तैयारी कर रही है।

कट्टा दिखाने के दौरान चली गोली: जानकारी के अनुसार, सेमरिया थाना क्षेत्र के बम्हनी गांव निवासी शिवम पांडे (26) बुधवार शाम को पास रखे देसी कट्टे को लेकर अपने मित्र दिव्यांशु मिश्रा (27) के घर पहुंचा। बातचीत के दौरान शिवम ने दिव्यांशु को कट्टा दिखाया। तभी दिव्यांशु ने जैसे ही हथियार हाथ में लिया, वह अचानक चल गया। कट्टे में पहले से गोली लोड थी, जो सीधे दिव्यांशु के पैर में जा लगी। गोली लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर: घायल दिव्यांशु मिश्रा को परिजन और स्थानीय लोगों की मदद से आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों की टीम ने उसे गंभीर स्थिति में भर्ती किया है। डॉक्टरों ने बताया कि घायल की स्थिति गंभीर जरूर है, लेकिन नियंत्रण में है।

पुलिस जांच में जुटी: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। एसडीओपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि दोनों युवक आपस में दोस्त हैं। बातचीत के दौरान कट्टा गलती से चल गया। अब यह पता लगाया जा रहा है कि देसी कट्टा शिवम पांडे को कहां से और कैसे मिला। घटना के बाद से ही आरोपी युवक फरार है। वहीं घटना के बाद पुलिस ने आरोपी शिवम पांडे की तलाश कर रही है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि हथियार किसी अवैध सप्लाई नेटवर्क से जुड़ा तो नहीं है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छात्रावास अधीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार,रिटायर्ड शिक्षक से जीपीएफ फाइल क्लियर करने मांगे दस हजार; रुपए लेते लोकायुक्त ने पकड़ा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। गुरुवार को एक छात्रावास अधीक्षक को लोकायुक्त रीवा की टीम ने रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। वह रिटायर कर्मचारी से उसकी भविष्य निधि (जीपीएफ) फाइल पास कराने के नाम पर दस हजार की रिश्वत मांग रहा था। यह कार्रवाई दोपहर को सिहावल के अनुसूचित जाति जूनियर बालक छात्रावास क्रमांक 2 में की गई।

रिटायर्ड शिक्षक से मांगी थी घूस: जानकारी के अनुसार, आरोपी अधीक्षक अशोक पांडे ने हाल ही में रिटायर हुए शिक्षक वशिष्ठ मुनि द्विवेदी (निवासी टिकरी, थाना मड़वास) से दस हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। वशिष्ठ मुनि द्विवेदी इसी छात्रावास में शिक्षक के रूप में पदस्थ थे और चार महीने पहले ही रिटायर हुए थे। अधीक्षक ने उनकी जीपीएफ फाइल क्लियर करने के बदले यह राशि मांगी थी।

लोकायुक्त टीम ने की ट्रैप कार्रवाई: शिकायत मिलने पर लोकायुक्त रीवा की टीम ने पहले गोपनीय जांच की, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद आज दोपहर लगभग एक बजे 12 सदस्यीय टीम ने सिहावल पहुंचकर ट्रैप ऑपरेशन चलाया। शिकायतकर्ता ने बताया कि जब वह तय रकम लेकर अधीक्षक के पास पहुंचे तो वह उस समय परिसर में कुछ पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पत्रकारों की मौजूदगी देखकर अधीक्षक ने रुपए लेने से बचने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पहले से घेराबंदी कर रखी थी। थोड़ी ही देर में लोकायुक्त ने अधीक्षक को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के बाद पूछताछ जारी: लोकायुक्त निरीक्षक उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि अधीक्षक अशोक पांडे को ?10,000 की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

सट्टा पर्ची पर विवाद, अधेड़ पर हमला; धनपुरी में लोहे की रॉड से सिर फोड़ा, दो आरोपियों पर मामला दर्ज

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र में सट्टा पर्ची को लेकर हुए विवाद में एक अधेड़ व्यक्ति पर हमला किया गया। लोहे की रॉड से किए गए इस हमले में अधेड़ का सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, धनपुरी के पुराने थाने के पास कच्छी मोहल्ला निवासी गंगा सिंह किराना दुकान पर सामान लेने गए थे। वहां उन्होंने दुकान संचालक संतोष गुप्ता से पूछा कि क्या वह सट्टा पर्ची काटते हैं। इस बात पर संतोष गुप्ता और उनके भतीजे आदित्य गुप्ता ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर संतोष गुप्ता और आदित्य गुप्ता ने गंगा सिंह पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में गंगा सिंह के सिर में गंभीर चोट आई और शरीर के कई हिस्सों में भी घाव हुए। घायल अवस्था में गंगा सिंह ने धनपुरी थाने पहुंचकर घटना की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी संतोष गुप्ता और आदित्य गुप्ता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(ए), 115(2), 351(3), 324(4) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में सट्टा और अन्य अवैध कारोबार खुलेआम चल रहे हैं, जिसके कारण आए दिन झगड़े और ऐसी घटनाएं सामने आती हैं।

जहरीले पानी से पांच मवेशियों की मौत, कॉलरी से पानी में मिल जाता है बारूद; टीआई बोले-जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। जिले के अमलाई स्थित रामपुर बटूरा मेगा प्रोजेक्ट कॉलरी से निकले ब्लास्टिंग के पानी को पीने से पांच मवेशियों की मौत हो गई। इस घटना से स्थानीय लोगों में गुस्सा है। पशु मालिकों और स्थानीय निवासियों ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कॉलरी में कोयला निकालने के लिए की जाने वाली ब्लास्टिंग के दौरान बारूद पानी में मिल जाता है। कॉलरी प्रबंधन बड़े मोटर पंपों से इस पानी को बिना पुख्ता सुरक्षा इंतजामों के आसपास छोड़ देता है। आरोप है कि इसी जहरीले पानी को पीने से बेजुबान जानवरों की लगातार मौतें हो रही हैं।

जहरीले पानी से पहले भी हो चुकी है मवेशियों की मौत: जनपद सदस्य चंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब जहरीले पानी से जानवरों की जान गई हो। पहले भी कई मवेशियों की मौत हुई है। उन्होंने और अन्य लोगों ने कई बार इसका विरोध किया है, लेकिन प्रबंधन ने इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। पांच मवेशियों की मौत के बाद स्थानीय लोगों के साथ जनप्रतिनिधि भी आगे आए हैं। सरपंच, जनपद सदस्य और उप-सरपंच ने अमलाई थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि सम्हारू बैगा और नानू बैगा के मवेशियों की मौत हुई है। उप-सरपंच राजा राम मिश्रा ने जानकारी दी कि उन्होंने प्रबंधन को कई बार ज्ञापन देकर प्रतिबंधित क्षेत्र में बाउंड्री बनाने की मांग की थी, ताकि जानवर अंदर प्रवेश न कर सकें, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

टीआई बोले-जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी: अमलाई थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि स्थानीय लोगों की शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल पर पुलिस टीम और पशु चिकित्सक भी पहुंचे थे। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच के बाद यदि लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

16 साल से पुलिया अधूरी, विकास कार्य ठप; 500 मीटर के लिए ग्रामीण सात किलोमीटर घूमने को मजबूर, पंचायत बोले- जांच कर कार्रवाई होगी

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के देवसर विधानसभा क्षेत्र में एक पुलिया का निर्माण पिछले 16 वर्षों से अधूरा पड़ा है। ग्राम पंचायत तिनगुड़ी और गन्नई के कई गांवों के ग्रामीण इस अधूरी पुलिया और कच्चे मार्ग के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ओबरी बड़काडोल, धन्निहवा टोला, खाड़ीटोला और बैरहाटोला जैसे गांव इससे प्रभावित हैं।

2008-09 में स्वीकृत पुलिया आज तक अधूरी: स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह पुलिया वर्ष 2008-09 में स्वीकृत हुई थी। निर्माण कार्य लगभग एक महीने तक चला, जिसके बाद अज्ञात कारणों से इसे रोक दिया गया। तब से इसका अधूरा ढांचा जस का तस खड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, हर साल बरसात के मौसम में यहां भारी जलभराव हो जाता है, जिससे ट्रैक्टर के अलावा कोई अन्य वाहन पार नहीं हो पाता। इसका सीधा असर स्कूल जाने वाले बच्चों, बीमार मरीजों, गर्भवती महिलाओं और रोजाना आवाजाही पर पड़ता है।

500 मीटर की दूरी के लिए 7 किलोमीटर घूमना पड़ता: इस अधूरी पुलिया के कारण ग्रामीणों को मात्र 500 मीटर की दूरी तय करने के लिए लगभग 7 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। इससे समय और श्रम की बर्बादी के साथ-साथ आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने कई बार विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लगभग 5000 की आदिवासी आबादी वाले इस क्षेत्र में विकास कार्यों की अनदेखी से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल पुलिया निर्माण पूरा कराने की मांग की है, ताकि उनकी दैनिक समस्याएं हल हो सकें। इस संबंध में, दैनिक भास्कर ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश गोमें से बात की। उन्होंने कहा, यह मामला मेरे संज्ञान में लाया गया है। मैं तुरंत जांच करवाता हूं कि आखिर 16 साल से पुल क्यों अधूरा है।

वंदे मातरम के 150 वर्ष - वर्षभर मनाए जाएंगे विशेष आयोजन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने जानकारी देकर बताया कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ को देशभर में समारोहपूर्वक मनाने का निर्णय लिया गया है। यह आयोजन 7 नवम्बर 2025 से 7 नवम्बर 2026 तक वर्षभर संचालित रहेगा। यह निर्णय भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में 'वंदे मातरम' की ऐतिहासिक भूमिका और इसकी स्थायी सांस्कृतिक विरासत के महत्व को रेखांकित करता है। उन्होंने बताया कि वर्षभर चलने वाले इस कार्यक्रम के अंतर्गत विविध गतिविधियाँ चार चरणों में आयोजित की जाएँगी कृ प्रथम चरण 7 से 14 नवम्बर 2025 (शुभारंभ सप्ताह), द्वितीय चरण जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों के साथ), तृतीय चरण 7 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ) तथा चतुर्थ चरण 1 से 7 नवम्बर 2026 (समापन सप्ताह) के रूप में मनाया जाएगा। कार्यक्रमों के सुचारू संचालन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी, सीधी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा उन्हें निर्देशित किया गया है कि भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

विकलांग महिला को मृत घोषित किया, पंचायत के फैसले के खिलाफ कलेक्ट्रेट पहुंची; जमीन ड़पने का आरोप

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। जिले के व्यौहारी जनपद के ग्राम बोचरो में एक 55 वर्षीय विकलांग महिला को पंचायत ने मृत घोषित कर दिया है। गुलाब कली तिवारी नामक यह महिला अब अपने जीवित होने का प्रमाण देने के लिए कलेक्ट्रेट के चक्कर काट रही हैं। उनका आरोप है कि उनकी जमीन पर अवैध कब्जा करने की योजना के तहत उन्हें मृत दिखाया गया है।

गुलाब कली तिवारी एक आंख से देख नहीं पाती हैं और अपनी पहचान व अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं। उनके पति रामलाल तिवारी की दो शादियां हुई थीं। पति की मृत्यु के बाद गुलाब कली को संपत्ति का अधिकार मिलना था, लेकिन आरोप है कि सरपंच, सचिव और कुछ रिश्तेदारों ने मिलकर उन्हें मृत घोषित करने की साजिश रची ताकि उनकी जमीन हड़पी जा सके। जब गुलाब कली के नाती को इस बात का पता चला, तो उन्होंने कई बार पंचायत और जनपद कार्यालयों का दौरा किया, लेकिन उन्हें वहां न्याय नहीं मिला।

इसके बाद वे कलेक्टर के पास पहुंचे। अपर कलेक्टर सरोधन सिंह ने जब यह मामला सुना तो वे स्वयं हैरान रह गए। उन्होंने तत्काल मामले की जांच के आदेश जारी किए हैं। गुलाब कली के नाती राकेश तिवारी ने बताया कि उन्होंने प्रशासन के सभी दफ्तरों में गुहार लगाई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने अपनी दादी को न्याय दिलाने की मांग की। इस मामले में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह ने कहा, 'हमने व्यौहारी एसडीएम को इस मामले की तुरंत जांच करने का निर्देश दिया है। हम पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

निर्वाचन सदन में स्थापित हुआ डिस्ट्रीक्ट कांटेक्ट सेंटर, हेल्पलाइन 1950 होगी सक्रिय

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के पत्र 16 जून के पालन में डिस्ट्रीक्ट कांटेक्ट सेंटर (डीसीसी) की स्थापना की गई है।

यह केंद्र निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण एवं निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कार्य प्रारंभ होने से लेकर कार्य पूर्ण होने तक संचालित रहेगा।

परसौना-बरगवां सड़क गड्ढों में तब्दील, टोल वसूली जारी, लोग बोले- टोल लिया; सड़क कहां दी?

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में विकास के दावों के बीच परसौना से बरगवां तक का मुख्य मार्ग पूरी तरह बदहाल हो चुका है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि इसे अब सड़क नहीं, गड्ढों का रास्ता कहा जा रहा है। जगह-जगह डामर उखड़ चुका है, गिट्टियां बाहर आ गई हैं और बारिश के बाद बने गहरे गड्ढे आए दिन हादसों को न्योता दे रहे हैं। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह सड़क अब रोजमर्रा की जोखिम भरी यात्रा बन गई है। कई बाइक सवार गड्ढों में फिसलकर घायल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर चलना अब खतरे से खाली नहीं है।टोल वसूली जारी, मरम्मत ठप बता दें कि, उदिता इंफ्रा कंपनी इस जर्जर मार्ग से लगातार टोल टैक्स वसूल रही है, जबकि सड़क की मरम्मत का काम महीनों से ठप पड़ा है। लोगों का कहना है कि जब सड़क की हालत इतनी खराब है, तो आखिर टोल किस बात का लिया जा रहा है?

भारी वाहनों से भी नियमित रूप से टोल लिया जा रहा है, पर सड़क की स्थिति बीते तीन महीनों से बद से बदतर बनी हुई है। मेंटेनेंस के नाम पर केवल कागजी कार्रवाई दिखाई देती है।

विभाग और अधिकारियों की चुप्पी: लोगों का कहना है कि टोल प्लाजा पर वसूली बदस्तूर जारी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग और अधिकारी कार्रवाई से बचते नजर आ रहे हैं। एमपीआरडीसी की चुप्पी लोगों के बीच सवाल खड़े कर रही है। नियमों के अनुसार, सड़क पर कहीं भी गड्ढा बनने पर 24 घंटे के भीतर उसकी मरम्मत की जानी चाहिए, लेकिन यहां महीनों से हालात जस के तस हैं। स्थानीय नागरिकों ने सड़क की तत्काल मरम्मत, टोल वसूली पर रोक और लापरवाही के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एजीएम बोले- जल्द ही पूरी सड़क दुरुस्त करेंगे: मामले में एमपीआरडीसी सिंगरौली के एजीएम समीर गोहर ने बताया कि बारिश की वजह से सड़क खराब हुई है। आज से मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। कल से डामर का कार्य भी शुरू होगा और जल्द ही पूरी सड़क दुरुस्त कर दी जाएगी।

पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने सरकार को दिया अल्टीमेटम, किसानों के साथ धरने पर बैठे; 7 दिन का दिया समय

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले में किसानों की समस्याओं और फसल नुकसान के मुआवजे की मांग को लेकर पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन जारी है। यह प्रदर्शन गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित विथिका भवन में हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में किसान, कांग्रेस नेता और ग्रामीण शामिल हैं। धरना स्थल पर कमलेश्वर पटेल ने आरोप लगाया कि जिलेभर में किसानों की फसल बर्बाद होने के बावजूद उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि अभी तक खेतों में सर्वे शुरू नहीं हुआ है और गांवों में पटवारी भी नहीं पहुंचे हैं, जिससे नुकसान का आकलन नहीं हो पाया है।

पटेल के अनुसार, मध्य प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन ने किसानों को राहत देने वाला कोई आदेश या अधिसूचना जारी नहीं की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर सरकार या प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर एक बड़ा आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

प्रदर्शनकारी किसानों की प्रमुख मांगें हैं: फसल नुकसान का तत्काल सर्वे, उचित मुआवजा और राहत राशि का वितरण, अनियमित बिजली आपूर्ति में सुधार, गलत बिजली बिलों को वापस लेना और खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

धरना प्रदर्शन के समापन पर किसानों की मांगों से संबंधित एक विस्तृत ज्ञापन सीधी कलेक्टर को सौंपा जाएगा। प्रदर्शनकारी किसानों ने नारेबाजी और पोस्टरों के माध्यम से 'किसान को न्याय दो, मुआवजा दो' के नारे लगाए।

'महिला स्ट्रोक' का चुनाव

संपादकीय

आज बिहार में प्रथम चरण का मतदान है। विधानसभा की कुल 243 में से 121 सीटों पर जनता अपना जनादेश देगी। अगले चरण का मतदान 11 नवंबर को है और 14 नवंबर को जनादेश अंतिम रूप से सार्वजनिक कर दिया जाएगा। चुनाव में अभी तक जो गौरतलब रहा है, वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शख्सियत है। बीते 20 सालों से वह बिहार के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई रुझान नहीं है, 'लहर' तो बहुत दूर की कौड़ी है। विपक्षी उनकी उम्र, स्वास्थ्य, मनःस्थिति और सेवानिवृत्ति की बातें तो करते रहे हैं, लेकिन उससे कोई 'सत्ता-विरोधी लहर' नहीं बन पाई है। नतीजतन भाजपा के बड़े नेताओं ने भी बयान दिए हैं कि नीतीश ही चुनाव के बाद मुख्यमंत्री होंगे। अभी तक जो सर्वेक्षण सार्वजनिक हुए हैं, उनमें नीतीश कुमार 46 फीसदी से अधिक लोगों के पसंदीदा मुख्यमंत्री हैं, जबकि सितंबर में यह पसंद 15-16 फीसदी तक ही सिमटी थी। तब मुख्यमंत्री की दौड़ में तेजस्वी यादव सबसे आगे थे, लेकिन अब दूसरे स्थान पर आ गए हैं। आश्चर्यजनक रुझान यह देखा गया है कि महिलाएं जाति, धर्म, नस्ल, अगड़ी-पिछड़ी कोई भी हों, लेकिन नीतीश के कारण 45 फीसदी महिलाएं भाजपा-एनडीए को समर्थन देती दिख रही हैं। जो महिलाएं 18-30 साल उम्र की हैं, उनमें यह समर्थन 48 फीसदी से अधिक दिखा है। नतीजतन सभी सर्वेक्षणों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है और बेहतर बहुमत के साथ उनकी सरकार बनती दिख रही है। बेशक महिला-शक्ति निर्णायक लग रही है, हालांकि जाति का मुद्दा अब भी प्रबल रहा है। पलायन और रोजगार भी संवेदनशील मुद्दे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी समेत बड़े नेताओं के प्रचार लालू यादव के 'जंगलराज' पर ही केंद्रित हैं। भाजपा-एनडीए बार-बार उसे याद दिला रहा है। प्रधानमंत्री ने तो बार-बार छर्रा, कट्टे और दुनाली का जिक्र अपने संबोधनों में किया है। सिर्फ 10,000 रुपए महिलाओं के खातों में डालने का ही करिश्मा नहीं है, बल्कि नीतीश ने 20 साल की सत्ता के दौरान पंचायत, शिक्षा, नौकरी आदि में महिलाओं के आरक्षण और लगातार शराबबंदी से महिलाओं का एक ठोस, भरोसेमंद जनाधार तैयार किया है। बिहार में पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक वोट करती हैं, क्योंकि पुरुष बाहर काम करते हैं और मतदान के दिन नहीं लौट पाते। इसका फायदा भी नीतीश पक्ष को मिलता रहा है। इस बार के चुनाव में खासकर महिलाओं पर खूब धन-वर्षा हुई है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तेजस्वी यादव को यह घोषणा करनी पड़ी कि उनकी सरकार बनी, तो 14 जनवरी, मकर संक्रांति के दिन, एकमुश्त 30,000 रुपए महिलाओं के खातों में डाल दिए जाएंगे। महिलाओं को 2500 रुपए माहवार देने की जो योजना 'तेजस्वी प्रण' में संकलित है, उसका सालाना धन 30,000 रुपए ही बनता है। इधर तेजस्वी ने यह घोषणा की, उधर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी ऐलान किया कि 2 करोड़ महिलाओं को 2-2 लाख रुपए उनके खातों में, रोजगार प्रोत्साहन के मद्देनजर, डाल दिए जाएंगे।

रेल सुरक्षाः ज़िमेदारी और सुदृढ़ता की दरकार

दिलीप कुमार पाठक

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मंगलवार को एक दर्दनाक ट्रेन हादसा हुआ। यहां कोरबा पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी आपस में टकरा गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में लोको पायलट समेत 11 लोगों की मौत हो गई। वहीं कई यात्री घायल हैं। हादसा इतना भीषण था कि पैसेंजर ट्रेन मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गई थी। जानकारी के मुताबिक, यह पैसेंजर ट्रेन गेवरा से बिलासपुर जा रही थी, जबकि मालगाड़ी बिलासपुर से आ रही थी। इस हादसे ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ रेल एवं भारतीय रेल सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। छत्तीसगढ़ में ट्रेन हादसे कोई नई बात नहीं है, 2025 में अब तक तीन से ज्यादा रेल हादसे हो चुके हैं, ये घटनाएं यात्रियों के लिए चिंता का विषय हैं। हर बार रेलवे प्रशासन की लापरवाही या तकनीकी खामी को जिम्मेदार ठहराया जाता है, लेकिन हादसे रुक नहीं रहे।

रेलवे विशेषज्ञों द्वारा की गई घटना की प्रारंभिक जांच के मुताबिक खड़ी मालगाड़ी से टकराने वाली यात्री ट्रेन का चालक दल रेड सिग्नल पर उसे नियंत्रित करने में विफल रहा। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि ट्रेन का चालक दल सही समय और सही स्थिति में ट्रेन को नियंत्रित न कर पाने के लिए ज़िम्मेदार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रेन लाल सिग्नल को पार कर गई और दोपहर 3ः50 बजे अगले लाल सिग्नल पर खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई। जांच रिपोर्ट पांच विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई थी, हालाँकि केवल तीन ने ही इस पर हस्ताक्षर किए हैं। सिग्नल और दूरसंचार विभाग के अधिकारी ने रिपोर्ट पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। रिपोर्ट में गेवरा स्टेशन मास्टर का एक बयान भी शामिल है, जिन्होंने कहा कि मेमू ट्रेन के रवाना होने के बाद, उन्हें वीएचएफ संचार पर गार्ड से एक संदेश मिला जिसमें टक्कर होने के कारण एम्बुलेंस बुलाने का अनुरोध किया गया था। वहीं एक अधिकारी ने बताया कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त अब दुर्घटना के कारणों की जांच करेंगे और एक विस्तृत रिपोर्ट देंगे। ख़ैर ये रिपोर्ट आदि तो काग़ज़ी गतिविधियां होती रहती हैं, परंतु जो लोग सिस्टम की लापरवाही से मर गए उनकी ज़िम्मेदारी कौन लेगा क्या मुआवजा मिल जाने से मरने वाले लौट आएंगे

जब किसी के घर का सदस्य असामयिक मर जाता है या सिस्टम की भेंट चढ़ जाता है तब किसी तरह से कोई बहाना किसी पर थोप दिया जाता है, जबकि ये सिस्टम एवं सरकार का फेलियर कहा जाएगा। पिछले कुछ सालो से रेल हादसों की बाढ़ सी आ गई है, सोशल मीडिया पर खूब मज़ाक उड़ाया जाता है कि भैया मैं आज रेल सफ़र करने वाला हूं मेरे लिए दुआएं कीजिए! लोगों के अंदर रेल्वे हादसों के बीच बढ़ता खौफ़ रेल्वे एवं सरकार के लिए शर्मनाक है। सरकार से जब रेल हादसों के बारे में पूछा जाता है किसकी ज़िम्मेदारी है तो सरकार की तरफ से कहा जाता है कि अब रेल हादसों में मरने वालों की संख्या में गिरावट आई है जबकि ये बेहद असंवेदनशील बयान है। अगर सिस्टम के कारण किसी एक भी व्यक्ति की जान जाती है तो सरकार को ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए। कभी हमारे देश में नैतिकता के आधार पर मंत्रियों के इस्तीफे हो जाते थे, 1956 में, तत्कालीन रेल मंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने तमिलनाडु में अरियालुर रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। नीतीश कुमार ने 2 अगस्त 1999 को गैसल ट्रेन दुर्घटना के बाद पद छोड़ दिया था। ममता बनर्जी ने भी रेल मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, परंतु अटल बिहारी वाजपेयी ने इस्तीफ़ा स्वीकार नहीं किया था।

अगस्त 2017 में, सुरेश प्रभु ने चार दिनों में दो दुर्घटनाओं की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। औरैया के पास कैफियत एक्सप्रेस का पटरी से उतरना, जिसमें 70 से अधिक लोग घायल हो गए थे और मुजफ्फरनगर के पास खतौली में कलिंग उत्कल एक्सप्रेस का पटरी से उतरना, जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई और 150 से अधिक लोग घायल हो गए थे। अब नैतिक ज़िम्मेदारी जैसी कोई बात नहीं रह गई है, मंत्रियों के पास बहाने ही बहाने हैं, विचित्र सी स्थिति है, क्या लोगों के जान की कीमत मुआवजे से तय होगी यह काफ़ी दुर्भाग्यपूर्ण है कि रेल दुर्घटनाएं, खास तौर पर पटरी से उतरना, इतनी दुर्लभ नहीं हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है। दावों प्रतिदावों और आरोपों व प्रत्यारोपों का दौर अपने चरम पर है। सत्ता की तरफ़ से चुनाव जीतने के लिये सबसे अधिक ज़ोर लगाया जा रहा है। हरियाणा सहित कई अन्य भाजपा शासित राज्यों से तो बिहारी मतदाताओं को विशेष ट्रेन्स द्वारा मतदान करने हेतु बिहार भेजा जा रहा है। उधर भाजपा स्टार प्रचारक नीतीश सरकार को सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के रूप में प्रचारित करते नहीं थक रहे।

बिहार : या यही है सुशासन के दावों की हक़ीक़त

निर्मल रानी

परन्तु सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त बिहार के इन्हीं दावों के बीच कुछ ऐसे सनसनीख़ेज़ रहस्योद्घाटन हो रहे हैं व घटनायें घटित हो रही हैं जिन्होंने बिहार में सुशासन व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार की क़लई खोल कर रख दी है। हैरानी की बात तो यह है कि इसतरह के खोखले दावों की हवा निकालने में किसी सत्ता विरोधी दल या विपक्ष की कोई भूमिका नहीं है बल्कि स्वयं भाजपा-जे डी यू के नेता ही इस क़लई खोल अभियान के मुख्य सूत्रधार हैं।

सबसे पहले तो ज़िक्र करते हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह (आरके सिंह) के बयानों का। आर के सिंह बिहार के आरा से दो बार सांसद रह चुके हैं और मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में वे ऊर्जा मंत्री थे। उनकी गिनती भाजपा के वरिष्ठ नेता के रूप में होती है। सर्वप्रथम तो आर के सिंह ने चुनाव अभियान के बीच ही गत 20 अक्टूबर को एक वीडियो संदेश जारी कर मतदाताओं से अपील की थी कि वे अपराधी और भ्रष्ट छवि वाले उम्मीदवारों को वोट हरगिज़ न दें। उन्होंने विशेष रूप से जेडीयू के मोकामा से उम्मीदवार अनंत सिंह व भाजपा के तारापुर से उम्मीदवार व बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम लिया था। उस सन्देश में सिंह ने यहां तक कहा था कि ऐसे उम्मीदवारों को वोट देना चुल्लू भर पानी में डूब मरने से भी बदतर है, क्योंकि ये जनता का ख़ून चूस रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को हटाकर ही बिहार का विकास संभव है, और यदि सभी उम्मीदवार ऐसे हों तो मतदाता नोटा का विकल्प चुनें। सिंह ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले इसी तरह के कुल 8 उम्मीदवारों के नाम लिए। अब आरके सिंह के इस बयान को भाजपा के अंदर सुलग रही बग़ावत की चिंगारी के रूप में देखा जा रहा है।

आर के सिंह के उपरोक्त बयानों पर अभी चर्चा चल ही रही थी कि पिछले दिनों उन्होंने बिजली घोटाला सम्बन्धी एक और बड़ा धमाका कर दिया। उन्होंने बिहार की एनडीए सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। ये आरोप मुख्य रूप से बिहार में बिजली विभाग से जुड़े 62,000 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित हैं, जो बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के ठीक पहले यानी गत 4 नवंबर को सामने लाये गये हैं। इन आरोपों के अनुसार बिहार सरकार ने एक थर्मल पावर प्लांट के निर्माण के लिए अदानी ग्रुप से सम्बंधित एक कंपनी को अत्यधिक ऊंची क़ीमत पर अनुबंध दिया। इस अनुबंध के तहत कंपनी को 25 वर्षों के लिए बिजली की क़ीमत 6.075 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित की गई, जो बाज़ार दर से काफ़ी अधिक है। इससे सरकार को पूंजी की वापसी के साथ-साथ अतिरिक्त लाभ होगा, जो कुल 62,000 करोड़ रुपये का नुक़सान बिहार के बिजली उपभोक्ताओं को पहुंचाएगा। उन्होंने बिहार सरकार के बिजली विभाग के कई अधिकारियों को इस घोटाले के लिये आरोपित करते हुये सीबीआई से इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की, ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो सके। सिंह का आरोप है कि यह घोटाला सीधे तौर पर बिहार के लोगों को प्रभावित करेगा, क्योंकि बिजली के दाम बढ़ेंगे। इससे पहले भी आर के सिंह राज्य की सुशासन कही जाने वाली नीतीश सरकार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगा चुके हैं। परन्तु चुनावों के बीच उनके द्वारा लगाये जा रहे उपरोक्त गंभीर आरोपों ने बिहार में कोहराम मचा दिया है। विपक्षी महागठबंधन इन आरोपों को अपने हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है।

दूसरी बड़ी घटना केंद्रीय मंत्री लल्लन सिंह से संबंधित है। गत 4 नवंबरको पटना ज़िला प्रशासन ने लल्लन सिंह के विरुद्ध एफ़ आई आर दर्ज की है। ललन सिंह ने मोकामा में जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह जोकि इस समय दुलारचंद यादव हत्याकांड के मामले में बेऊर जेल में बंद हैं के समर्थन में किये जा रहे प्रचार के दौरान एक सभा में कहा कि कुछ नेताओं को वोटिंग के दिन घर में बंद कर दो। घर से उसी को निकलने दो जो हमारे पक्ष में वोट करे। अगर ज़्यादा हाथ-पैर जोड़े तो अपने साथ ले जाकर वोट गिराने देना है। ग़ौर तलब है कि अनंत सिंह की गिरफ़्तारी के बाद ललन सिंह ही उनके चुनाव प्रचार की कमान संभाल रहे थे। विपक्ष ने ललन सिंह के इस बयान को लोकतंत्र पर हमला बताया और कहा कि यह ग़रीब वोटरों को डराने की साज़िश है।

अब इन घटनाओं व बयानों के सन्दर्भ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दावों का ज़िक्र भी ज़रूरी है। एक ओर तो आर के सिंह व ललन सिंह जैसे भाजपा-जे डी यू के केंद्रीय स्तर के नेताओं के बयान बिहार में भ्रष्टाचार,कुशासन व जंगल राज की तस्वीर पेश कर रहे हैं तो दूसरी तरफ़ गृह मंत्री अमित शाह इन्हीं चुनाव प्रचार के दौरान जनसभाओं में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार को भ्रष्टाचार मुक्त सरकार का प्रमाणपत्र दे रहे हैं। शाह के अनुसार नीतीश कुमार पर चवन्नी के भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा है। उनके अनुसार केवल नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार, जिन पर चार आने का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है, वे ही बिहार का विकास कर सकते हैं। वे केंद्र में मोदी सरकार के 11 वर्षों और बिहार में नीतीश के 20 वर्षों के शासन को भ्रष्टाचार मुक्त बताते हैं जबकि विपक्ष पर घोटालों का आरोप लगाने के साथ ही लालू यादव के 20 वर्ष पूर्व के कथित जंगल राज की भी याद दिलाना नहीं भूलते। ऐसे में आर के सिंह के व लल्लन सिंह जैसे सत्ता से जुड़े केंद्रीय नेताओं के ही बयान क्या यह सवाल नहीं खड़ा करते कि क्या यही है बिहार में सुशासन के दावों की हक़ीक़त (यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सड़कों पर बिखर रहे मानव के चिथड़े, मानव खून से लाल होती सड़कें चिंतनीय

नरेन्द्र भारती

देश में प्रतिदिन हो रहे सड़क हादसों के कारण मानव खून से सड़कें लाल हो रही है सड़कों पर मानव के चिथडे बिखर रहे हैं यह बहुत ही चिंतनीय है। कयोंकि सड़कों पर मौत रेंग रही है लाशों के अंबार लग रहे हैं।3 नवंबर 2025 को राजस्थान के जयपुर व तेलंगाना के रंगारेडडी में बहुत ही भीषण हादसों में काफी लोगों की दर्दनाक मौतें होने से रौगटें खडे हो जाते हैं।जयपुर में तेज रफतार डंपर ने करीब एक दर्जन गाड़ियों को टक्कर मारी जिसमें करीब तेरह लोगों की मौत हो गई और दस लोग घायल हो गए। तेलंगाना के रंगारेडडी में एक सड़क हादसे में 24 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।मिटटी से भरे डंपर ने राज्य परिवहन की बस को टक्कर मार दी डंपर की मिटटी बस के अंदर यात्रियों पर गिर गई और यात्री दब गए बस में 70 यात्री सवार थे बस में जयादातर कालेज के छात्र थे। यह बस तंदूर से हैदराबाद जा रही थी। बेशक प्रतिवर्ष सड़क हादसों को रोकने व सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है।देश में प्रतिदिन इतने भीषण व दर्दनाक व खौफनाक सड़क हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नींद सो रहे हैं।देश के प्रत्येक राज्यों तथा महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछ रही है बेकसूर लोग बेमौत मारे जा रहे है।24 अक्तूबर 2025 की अल सुबह आंध्रप्रदेश के कुरनुल जिला के चिन्नातेकुर के पास एक प्राईवेट बस व दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई जिससे 22 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई बस में 44 यात्री सवार थे।18 यात्री जीवित हैं। हादसे में शव पूरी तरह जल चुके हैं उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया हे। 14 अक्तूबर 2025 को भी राजस्थान के जैसलमेर में एक बस को आग लग जाने से 22 यात्री बेमौत मारे गए थे। देश की सड़कों पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं।लाशों के अंबार लग रहे है। आंकड़ो के अनुसार 8 जुलाई 2019 सोमबार को उत्तर प्रदेश के आगरा के यमुना एक्सप्रैस वे पर एक भीषण सडक हादसे में 29 लोग की दर्दनाक मौत हो गइ थी और 23 घायल हो गए थे।यह हादसा तक हुआ जब लोग गहन निंद्रां में सोए थे।यह बस एक नाले में गिरी थी ।यह बस लखनउ से दिल्ली आ रही थी।यह हादसा सुबह चार बजे के करीब हुआ था।सफर कर रहे लोगों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा कि यह उनका आखिरी सफर होगा।सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे है।इस शाप से कब मुक्ति मिलेगी यह एक यक्ष प्रश्न है। लापरवाहियों व जानबूझकर हादसे हो रहे है।एक चालक की गलती से लोगों को मौत नसीब हो रही है।आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर है। हिमाचल के बंजार में भी एक बस हादसे में 45 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।अभी इस हादसे की स्याही भी नहीं सूखी थी कि1 जुलाई 2019 को जम्मू-कश्मीर के किशतवाड़ जिले में एक मिनी बस के खडड में गिरने से 35 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।28 सीटर बस में 52 लोग सवार थे।पल भर में लाशों में तब्दील हो गए।लोगों की अकाल मौत हो गई थी।गत वर्ष1 जुलाई 2018 को एक ऐसा ही बस हादसा उतराखंड में घटित हुआ था।उतराखंड के गढवाल मंडल के पौडी जिले के नैनीडांडा विकास खंड के पिपली भौन मोटर मार्ग पर धूमाकोट के नजदीक एक यात्रियों से भरी एक बस के 70 फुट गहरी खाई में गिर जाने से 50 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी बस में मरने वालों में 22 पुरुष तथा 17 महिलाए और आठ बच्चे शामिल थे।ऐसा ही एक भीषण हादसा पशिचिमी बंगाल में हुआ जहां 29 जनवरी 2018 को पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के इस्माइलपुर में एक सरकारी बस के नदी में गिरने से 36 यात्रियों की मौत हो गई। यह बस नदी पर बनी रेलिग तोड़कर नदी में जा गिरी।9 यात्रियों ने तैर कर अपनी जान बचा ली तथा 9 लोग घायल हो गए थे।बस में 60 यात्री सफर कर रहे थे।यह दर्दनाक हादसा सुबह छह बजे के करीब हुआ। बेशक प्रतिवर्ष जनवरी माह में पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। क्योकि प्रशासन द्वारा लोगों को इन सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे हैं 2025 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है।दस महिनों में लाखों लोग मारे जा चुके है।

समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

(राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस (7 नवम्बर) पर विशेष)

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं।

योगेश कुमार गोयल

कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना

शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव-2025 : उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने छत्तीसगढ़ के 34 अलंकरण से 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के राज्य अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ के 34 अलंकरण से विभिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट योगदान देने वाले 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अलंकरण समारोह के अति विशिष्ट अतिथि तथा विशिष्टि अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकगण उपस्थित थे।

राज्य अलंकरण समारोह में उप राष्टपति राधाकृष्णन एवं मुख्यमंत्री साय ने शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार हिरेश सिन्हा जिला कांकेर को प्रदान किया। यति यतनलाल सम्मान भारतीय कुष्ठ निवारक संघ, कात्रे नगर सोठी जिला जांजगीर-चांपा, गुण्डाधूर सम्मान ज्ञानेश्वरी यादव राजनांदगांव, मिनीमाता सम्मान ललेश्वरी साहू दुर्ग, गुरूघासीदास सम्मान संयुक्त रूप से भुवनदास जांगड़े बेमेतरा एवं शशि गायकवाड़ बलौदाबाजार-भाटापारा, ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति डोमा जिला धमतरी, हबीब तनवीर सम्मान डॉ. कुंज बिहारी शर्मा जिला रायपुर, महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान चांदनी साहू जिला बिलासपुर को प्रदान किया गया। इसी प्रकार पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान राजेश अग्रवाल जिला रायपुर, पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान डॉ. चिंतरंजन कर जिला रायपुर, चक्रधर सम्मान पंडित कीर्ति माधव लाल व्यास जिला दुर्ग, दाऊ मंदराजी सम्मान रिखी क्षत्रिय जिला दुर्ग, डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार संयुक्त रूप से थनेन्द्र कुमार साहू जिला धमतरी एवं वामन कुमार टिकरिहा जिला बलौदाबाजार, महाराजा अग्रसेन सम्मान राजेन्द्र अग्रवाल राजू जिला बिलासपुर, चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रिंट मीडिया हिन्दी डॉ. संदीप कुमार तिवारी रायपुर एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हिन्दी का पुरस्कार संयुक्त रूप से डॉ. सोमेश कुमार पटेल एवं अभिषेक शुक्ला रायपुर, मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रिंट मीडिया अंग्रेजी भावना पाण्डेय जिला दुर्ग, दानवीर भामाशाह सम्मान नीरज कुमार बाजपेयी जिला राजनांदगांव, धन्वन्तरि सम्मान डॉ. अजय कृष्ण कुलश्रेष्ठ, बिलासादेवी केंवट मत्स्य विकास पुरस्कार सुखदेव दास जिला रायपुर को प्रदान किया गया। इसी तरह डॉ. भंवरसिंह पोर्ते आदिवासी सेवा सम्मान जंगो रायतार विद्या केतुल शिक्षण संस्था ग्राम दमकसा जिला कांकेर, रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार संयुक्त रूप से मिथलेश कुमार आदिल एवं अग्रसर टीम जिला दुर्ग तथा एनटीपीसी लिमि. लारा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट पुसौर जिला रायगढ़ , पंडित लखनलाल मिश्र सम्मान योगेश कुमार साहू जिला कांकेर, छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान मनीष तिवारी जिला रायपुर, देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार रोहित कुमार कोसरिया जिला महासमुंद, किशोर साहू सम्मान सुनील सोनी जिला रायपुर, लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान राकेश तिवारी जिला रायपुर, लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार डॉ. विनोद कुमार वर्मा जिला बिलासपुर, किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण अनुराग बसु मुम्बई को प्रदान किया गया। बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान संयुक्त रूप से खेमचंद जैन राजनांदगांव, डॉ. सुरेश मणि त्रिपाठी, डॉ. भूपेन्द्र करवंदे एवं भरतलाल सोनी रायपुर को, वीरांगन अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार प्रेमशीला बघेल महासमुंद को, माता बहादुर कलारिन सम्मान शिल्पा पाण्डेय सृष्टि जिला सरगुजा को, पंडित माधव राव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान अवधेश कुमार नई दिल्ली तथा संस्कृत भाषा सम्मान डॉ. दादू भाई त्रिपाठी जिला रायपुर को प्रदान किया गया।

कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा

कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़ने से वंचित नहीं रहेः कमिश्नर डोमन सिंह

जगदलपुर, एजेंसी। कमिश्नर बस्तर संभाग श्री डोमन सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बस्तर संभाग में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 04 नवम्बर से शुरू घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन कार्य को सक्रिय होकर पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्थिति में कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़ने से वंचित नहीं होना चाहिए। खासकर वे युवा जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं। साथ ही बूथ लेबल ऑफिसर मृत या स्थायी रूप से अन्यत्र बाहर जा चुके मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया भी पूरी कर रहे हैं, जिससे सूची त्रुटिहीन और अद्यतन बन सके। इस गहन पुनरीक्षण के माध्यम से निर्वाचन आयोग का लक्ष्य न केवल एक पारदर्शी बल्कि सर्वाधिक समावेशी मतदाता सूची तैयार करना है, जो आगामी चुनावों में बस्तर के हर नागरिक की आवाज को सही ढंग से प्रतिनिधित्व दे सके। कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह मंगलवार शाम को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बस्तर संभाग के सभी जिलों के उप जिला निर्वाचन अधिकारियों से मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत किए जा रहे कार्य की समीक्षा के दौरान उक्त निर्देश दिए। उन्होंने सभी उप जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के कार्य को प्लानिंग के साथ बेहतर ढंग से करें, फील्ड में फोकस कर अच्छे नतीजे हासिल करें और अन्य इलाकों के लिए उदाहरण पेश करें।

कमिश्नर ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल देते हुए कहा कि आम लोगों को इसकी जानकारी देने के लिए नगरीय क्षेत्रों में ध्वनि विस्तारक यंत्र, पेम्पलेट-पोस्टर के माध्यम से अवगत कराया जाए। वहीं ग्रामीण इलाकों में कोटवारों के जरिए मुनादी, दीवार लेखन, ग्राम पंचायतों की बैठक इत्यादि के माध्यम से जानकारी दी जाए। साथ ही प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बारे में बीएलओ एवं वालेंटियर्स को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए जिला एवं तहसील स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित कर मास्टर ट्रेनर्स की रोस्टर अनुसार ड्यूटी लगाए जाने के निर्देश दिए। साथ ही वाट्सअप ग्रुप बनाकर भी शंकाओं का समाधान किया जाए। कमिश्नर ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत नगरीय क्षेत्रों के मतदान केंद्रों सहित मुख्य बसाहटों के मतदान केंद्रों के लिए अतिरिक्त बीएलओ की नियुक्ति कर कार्य को आसानी के साथ संपादित करने कहा। वहीं ग्रामीण इलाकों में पंचायत सचिवों को उक्त कार्य में सहयोग देने के लिए सक्रिय रखे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों की उपलब्धता के लिए ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। जिससे मतदाता आसानी के साथ आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर सकें। कमिश्नर ने दस्तावेजों की उपलब्धता के लिए पृथक से अधिकारी-कर्मचारियों को जिम्मेदारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने हर दिन के संपादित कार्यों की मॉनिटरिंग सहित दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने कहा। इस दौरान अवगत कराया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत आवश्यक प्रपत्रों की छपाई सहित वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है और बीएलओ और बीएलए को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। बीएलओ को फार्म वितरण के साथ ही 04 नवम्बर से घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन कार्य शुरू किया चुका है। बैठक में डिप्टी कमिश्नर बीएस सिदार एवं गीता रायस्त और उप जिला निर्वाचन अधिकारी बस्तर ऋषिकेश तिवारी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी ने विश्व स्तर पर बढ़ाया प्रदेश का गौरव : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक विश्व कप विजय पर देशवासियों को बधाई और शुभ कामनाएँ देते हुए कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह अभूतपूर्व उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है, जिसने विश्व पटल पर देश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस गौरवपूर्ण सफलता में छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी ने फिजियोथैरेपिस्ट एवं स्पोर्ट्स साइंस विशेषज्ञ के रूप में खिलाड़ियों की फिटनेस और रिकवरी में अतुलनीय योगदान देकर न केवल भारतीय टीम को सशक्त बनाया है, बल्कि देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर उज्ज्वल किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आकांक्षा सत्यवंशी ने अपने समर्पण, सेवा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह सिद्ध किया है कि छत्तीसगढ़ की बेटियाँ किसी भी क्षेत्र में देश का गौरव बन सकती हैं। उनके उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करते हुए राज्य सरकार द्वारा ?10 लाख की सम्मान राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आकांक्षा सत्यवंशी की यह सफलता छत्तीसगढ़ की सभी बेटियों और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। यह उनकी मेहनत, निष्ठा और संकल्प का परिणाम है, जिसने पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेल के क्षेत्र में नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि छत्तीसगढ़ से और भी ऐसी प्रतिभाएँ निकलें जो देश का नाम विश्व में रोशन करें।

भागूटोला में घुमंतू पशुओं की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण की मिसाल

भागूटोला में घुमंतू पशुओं की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कबीरधाम जिले के भागूटोला ग्राम के निवासियों ने घुमंतू पशुओं की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण के क्षेत्र में अनुकरणीय पहल की है। ग्रामवासियों ने सामूहिक जिम्मेदारी की भावना से सड़कों और आसपास विचरण करने वाले पशुओं की देखभाल का दायित्व स्वयं उठाया है। इसके लिए गांव में बारी-बारी से आठ से दस व्यक्तियों का समूह प्रतिदिन इन पशुओं को चराने, खिलाने और उनकी देखरेख का कार्य करता है। वर्तमान में लगभग 300 से 350 घुमंतू पशुओं की नियमित सेवा की जा रही है।

देव पूर्णिमा के अवसर पर कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू ने भागूटोला पहुंचकर ग्रामवासियों से मुलाकात की तथा उनकी इस पहल की सराहना की। उन्होंने गौमाता को सुहई पहनाकर पूजा-अर्चना की और कहा कि यह पहल न केवल मानवीय संवेदनशीलता की परिचायक है, बल्कि इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी और पशु संरक्षण को प्रोत्साहन मिलेगा। ग्रामवासी श्री पवन पटेल ने बताया कि तीन माह पूर्व ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया था कि घुमंतू पशुओं की सेवा और सुरक्षा का दायित्व वे स्वयं निभाएंगे। कलेक्टर श्री वर्मा ने इसे अन्य गांवों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बताया और ग्रामवासियों की एकजुटता एवं सेवा भावना की सराहना की।

कार्तिक पूर्णिमा पर सांसद महेश कश्यप ने लिंगेश्वर बाबा के किए दर्शन

जगदलपुर, एजेंसी। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने अपने परिवार सहित ग्राम रामपाल स्थित लिंगेश्वर बाबा मंदिर में पहुंचकर दर्शन एवं पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की समृद्धि, सुख शांति और खुशहाली की कामना की। बस्तर जिले के रामपाल मंदिर का इतिहास अत्यंत प्राचीन है,जो रामायण काल से जुड़ा हुआ माना जाता हैद्य लोकमान्यता एवं कुछ इतिहासकारों के अनुसार है कि भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान यहां शिवलिंग की स्थापना की थी, जो आज 'लिंगेश्वर शिवलिंग' के नाम से प्रसिद्ध है। यह स्थल राम वनगमन पथ के एक महत्वपूर्ण तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। मंदिर से सन् 1806 की एक लंदन निर्मित घंटी भी प्राप्त हुई है, जिसे उस समय के ब्रिटिश गवर्नर द्वारा चढ़ाया गया था, जो इस पवित्र स्थल के ऐतिहासिक महत्व को और भी गहराई प्रदान करती है।

अवैध धान की परिवहन पर मंडी अधिनियम के तहत करें कार्यवाही : कलेक्टर हरिस एस

जगदलपुर, एजेंसी। कलेक्टर श्री हरिस एस ने कहा कि आगामी दिनों में अवैध धान की परिवहन के लिए स्थापित चौकी पर सतत निगरानी रखें, अवैध धान की परिवहन पर मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही करें। उन्होंने सभी अनुभाग में एसडीएम, तहसीलदार चेक पोस्ट पर लगातार निरीक्षण कर चेक पोस्ट में तैनात कर्मचारियों को अलर्ट मोड़ में रखने के लिए निर्देशित किया। जिला में स्थापित डिस्ट्रिक्ट कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के नोडल अधिकारी प्रतिदिन की कार्यवाही का जायजा लेंगे। धान ख़रीदी कार्य हेतु पीडीएस बारदानों की खरीदी केन्द्रों में जमा करवाने के लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी समितियों में पंजीकृत किसानों की सूची चस्पा करवाएँ, ताकि पंजीकृत किसानों से ही धान खरीदी की जा सके। उन्होंने संग्रहण केन्द्रों की आवश्यकता तैयारियों को भी समय पर सुनिश्चित करने कहा। धान की गुणवत्ता का जाँच हेतु तहसीलदार की नेतृत्व में निगरानी समिति गठित की गई जो कि अन्य जिलों से संग्रहण केन्द्र में आने वाले धानों की जांच करेंगे।

राजमिस्त्री प्रशिक्षण का 30 दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न

कोंडागांव, एजेंसी। ज़िला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई के मार्गदर्शन में ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए एक सराहनीय कदम उठाते हुए ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (ऋस्श्वञ्जढ्ढ) जगदलपुर द्वारा आयोजित 30 दिवसीय ऑफ कैम्पस राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन ग्राम पंचायत बयानार, विकासखण्ड कोंडागांव में हुआ। इस प्रशिक्षण में ग्राम बयानार एवं आसपास के क्षेत्रों के युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को निर्माण कार्यों की तकनीकी जानकारी जैसे ईंट जोड़ाई, माप-जोख, सीमेंट-रेत अनुपात, प्लास्टरिंग, दीवार निर्माण, वाटर लेवल सेटिंग, सुरक्षा उपाय एवं निर्माण गुणवत्ता नियंत्रण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जैसे शासन के महत्वपूर्ण योजना त्वरित निर्माण कराया जाना है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किए गए तथा ऋस्श्वञ्जढ्ढ जगदलपुर द्वारा प्रत्येक प्रशिक्षु को राजमिस्त्री कार्य हेतु आवश्यक टूलकिट भी वितरित की गई, जिससे वे अपने कार्य को स्वयं प्रारंभ कर सकें और आत्मनिर्भर बनें। कार्यक्रम के समापन अवसर पर RSETI जगदलपुर के अधिकारियों, ग्राम पंचायत बयानार के सरपंच एवं जिला कोंडागांव के अधिकारी उपस्थित रहे ।

विद्युत क्षमता वृद्धि से होगा कोंडागांव में बेहतर विद्युत वितरण

अब किसानों को लो वोल्टेज की समस्या से मिलेगी निजात

कोण्डागांव, एजेंसी। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत कोण्डागांव जिले में विद्युत प्रणाली को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और बड़ी सफलता दर्ज की गई है। वन मंत्री एवं विधायक नारायणपुर श्री केदार कश्यप, बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक कोंडागांव लता उसेंडी, विधायक केशकाल श्री नीलकंठ टेकाम एवं कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार, तथा कार्यपालक निदेशक (जगदलपुर) श्री टी. के. मेश्राम और अधीक्षण अभियंता श्री एच. के. सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में, कार्यपालन अभियंता कोंडागांव श्री आर. एल. सिंहा के सतत प्रयासों से मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत कोंडागांव जिले में विद्युत प्रणाली को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

दिनांक 04.11.2025 को जिले के 33/11 केवी विश्रामपुरी उपकेंद्र के 3.15 MVA पावर ट्रांसफॉर्मर की क्षमता वृद्धि 5 MVA में कर दी गई है जिससे क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ता विशेष कर कृषि उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्ता पूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी। इसी कड़ी में जिले के 33/11 केवी उपकेंद्र मॉकडी, बीजापुर, किबाई बालेंगा, गिरोला एवं बोरगांव में स्थापित 3.15 MVA पावर ट्रांसफॉर्मर की क्षमता वृद्धि कर 5 MVA में परिवर्तन हेतु प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है। साथ ही 33/11 केवी उपकेंद्र रांधना के 11 केवी बरकई एवं रांधना फीडर, 33/11 केवी बड़े डोंगर उपकेंद्र के 11 केवी भूमका फीडर, तथा 33/11 केवी उपकेंद्र फरसगांव के 11 केवी सोनाबेड़ा फीडर की क्षमता वृद्धि हेतु भी प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इस कार्य से जिले में ओवरलोड एवं लो वोल्टेज की समस्या का प्रभावी समाधान होगा तथा उपभोक्ताओं को निरंतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई लगातार कार्यरत पर बढ़ रहा युवाओं का जोश

जगदलपुर, एजेंसी। शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जगदलपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई लगातार युवाओं का जोश बढ़ा रहा है और कई जागरूकता अभियान चल रही है राष्ट्रीय सेवा योजना निस्वार्थ भाव से जनहित में काम कर रहे हैं जो की एक सराहनीय बात है कम से कम 70 से 80 स्वयं सेवक जब भी एनएसएस की क्लास होती है तब यह सभी स्वयं सेवक सुबह 7:30 आकर इस बात भाव से श्रमदान करते हैं एवं जनहित के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं । स्वयं सेवक देवेन्द्र कश्यप ने कहा कि आज सुबह 7: 30 बजे सभी स्वयं सेवक महाविद्यालय परिसर में पहुंच गए पहुंचने के बाद सर्व प्रथम सभी स्वयं सेवकों को व्यायाम कराया गया तत्पश्चात सभी सभी ने श्रमदान करते हुए अपनी भूमिका निभाई। कश्यप का कहना है कि यह लगातार निस्वार्थ भाव से काम करते हैं एवं जनहित के लिए जागरूकता अभियान चलते हैं जैसे कि नशा मुक्ति अभियान यह सभी कई गांव में भी जाकर जागरूक करने का प्रयास करते हैं और अलग-अलग एक्टिविटी करते रहते हैं आज की इस क्लास में हमने एन एस एस क्लैप किस प्रकार से बजाया जाता है एवं इसकी क्या महत्व है बहुत सारी एक्टिविटी कराई गई । जहां कार्यक्रम अधिकारी दुर्गेश देवांगन , सहायक कार्यक्रम अधिकारी प्रीति किस्पोट्टा, उप सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हिमेश साहू स्वयं सेवक देवेन्द्र कश्यप, संतोष कुमार सेठिया, भुवनेश्वर कश्यप, विपिन कुमार, जयनारायण देवांगन, जिवन कश्यप, पुर्वेश कुमार सोनवानी, चेतना प्रधान ,शितल मरकाम,कौसल ठाकुर, निलेश मरकाम, लक्ष्मी कश्यप, चम्पा मंडल, हर्षिता नेताम, रश्मि मंडावी, तामेश्वरी मौर्य, सारिका, विमला, दामिनी, हितेश्वरी मंडावी, सुशीला मंडावी, शिवानी ठाकुर, रिना गावड़े, भिमसिंह मंडावी, आसुराम कश्यप, सुमती मौर्य , कामेश्वर बघेल एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राज्योत्सव में 'पीएम सूर्य घर योजना' स्टॉल रहा आकर्षण का केंद्र

कोण्डागांव, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत महोत्सव 2025 के अवसर पर कोंडागांव में 2 नवम्बर से 4 नवम्बर 2025 तक आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में 'पीएम सूर्य घर योजना' का विशेष प्रदर्शनी स्टॉल लगाया गया था। जिसे बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक कोंडागांव लता उसेंडी एवं कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा स्टॉल का निरीक्षण किया गया और योजना की प्रगति एवं जनहित में हो रहे कार्यों की जानकारी ली गई। स्टॉल में जिले में स्थापित 225 पीएम सूर्य घरों के 164 ग्रिड सिंक्रोनाइज़ेशन एवं 132 हितग्राहियों को प्रदत्त सब्सिडी की उपलब्धियों का प्रदर्शन किया गया था, साथ ही वेंडर संस्थानों द्वारा सौर ऊर्जा उपकरणों, तकनीकी मॉडल्स एवं उपभोक्ताओं की सफलता की कहानियों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

रतलाम में डोमिनोज पिज्जा में कीड़ा मिलने की शिकायत

खाद्य विभाग ने पनीर और पिज्जा का लिया सैंपल, शुद्ध दूध-दही भंडार पर भी जांच

रतलाम, एजेंसी। पिज्जा खाने के पहले उसे अच्छे से देख ले, फिर खाए। रतलाम में फूड क्वालिटी पर सवाल उठते हुए पिज्जा में कीड़ा मिलने की शिकायत खाद्य विभाग को मिली है। शिकायत के बाद विभाग ने पिज्जा सेंटर पर पहुंचकर पनीर, पिज्जा और पनीर कैप्सिकम पिज्जा के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। खाद्य विभाग को एक अन्य शिकायत मिलने पर शुद्ध दही भंडार, चौमुखी पुल पर भी जांच कार्रवाई की गई। यहां से घी के दो सैंपल, इसके अलावा पनीर और दही के नमूने लिए गए हैं। इसी तरह फर्म बघेल फन एंड फूड से बेकर्स पार्क उत्पाद का सैंपल लिया गया। जानकारी के मुताबिक, फैजान खोकर ने ऑनलाइन ऑर्डर दिया था। कीड़ा दिखने पर खाद्य सुरक्षा विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत की। इसकी जानकारी अधिकारियों को बुधवार को लगी। तब अधिकारी ने पहुंच कर डोमिनोज पिज्जा पर जाकर जांच की। अलग-अलग सेंपल लिए है। गंदगी समेत साफ सफाई की व्यवस्था को देखा।

सभी सैंपल भोपाल लैब भेजे: खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेष गुप्ता ने बताया कि लिए गए सभी सैंपल भोपाल स्थित राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आगे कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि फूड क्वालिटी की जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

'ओआरएस' से मिलते-जुलते पेय पदार्थों के लिए सैंपल: खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने फूड लाइसेंस प्राप्त पेय पदार्थों के ट्रेडमार्क या ब्रांड नाम पर 'ओआरएस' शब्द (उपसर्ग, प्रत्यय अथवा किसी भी रूप में) के प्रयोग को भ्रामक पाया है। इस कारण ऐसे उत्पादों के निर्माण पर 14 अक्टूबर से बैन लगा दिया है। फिर भी शहर में उनाम के कई पेय पदार्थ बिक रहे है। शहर व जावरा की अलग-अलग मेडिकल एजेंसियों से ऐसे पेय पदार्थों के सैंपल लिए है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के अनुसार डब्ल्यूएचओ प्रमाणित ओआरएस पर प्रतिबंध लागू नहीं होगा।

इन मेडिकल एजेंसियों से लिए सैंपल: श्री राम मेडिकल एजेंसी से orsl advanz care electrolyte drink plus active का सैंपल। पाथरीया मेडिकल एजेंसी से orsl zero electrolyte thermecl4 proceshed fruit be1rege drink mango एवं orsl electrol4te drink lemon का सैंपल। विनायक इंटरप्राइजेज से orsl advanz care electrolyte drink rehydrate का सैंपल। रूनवाल मेडिकल 65 रतलाम गेट जावरा रतलाम से orsl electrolyte drink plus active का सैंपल।

लक्की मेडिकल रतलामी गेट जावरा से orsl electrolyte drink का सैंपल। आरोग्यम, मेडिकल महेंद्र प्रताप मार्ग ताल से orsl electrolyte drink orange का सैंपल। जाट मेडिकल स्टोर बस स्टैंड सैलाना से orsl electrolyte drink apple का सैंपल।

कार की टक्कर से 5 फीट उछला बाइक सवार

खंडवा में गिरकर 8 फीट तक पलटियां खाते चला गया

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में गुरुवार दोपहर 12 बजे एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार युवक करीब 5 फीट ऊपर उछलकर सड़क पर गिरा। इसके बाद पलटियां खाते हुए 8-9 फीट तक चला गया। उसकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई हैं। उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसा शहर के नवचंडी मंदिर के पास एक सुपर मार्केट के सामने मोड़ पर हुआ। घटना के सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार, बाइक सवार युवक आनंद नगर की तरफ जा रहा था, तभी गुर्जर अस्पताल की तरफ से तेज रफ्तार कार आ रही थी। तिराहे पर दोनों की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कार लगभग 100 मीटर आगे चली गई। घायल बाइक सवार को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया।

इस मोड़ पर पहले भी हादसे हो चुके हैं: रहवासियों ने बताया कि इस मोड़ पर अक्सर हादसे होते हैं। तेज रफ्तार वाहन चालक और मोड़ की स्पष्ट जानकारी न होने के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। स्थानीय व्यवसायी रजत लाड़ ने कहा कि यहां स्पीड ब्रेकर नहीं है। नगर निगम को सड़क के दोनों तरफ स्पीड ब्रेकर और टर्न की संकेत पट्टी लगानी चाहिए। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले महीने इसी जगह पर भी एक कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी थी, जिसमें उसकी मौत हो गई थी।

दो महीने पहले इसी तरह हुआ था हादसा: खंडवा में इसी मोड़ पर करीब दो महीने पहले एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी थी। बाइक पर सवार व्यक्ति उछलकर नीचे गिरा, उसके पैर की हड्डी टूटकर चकनाचूर हो गई। घायल को इंदौर रेफर किया गया था। हादसे का वीडियो भी सामने आया था।

नर्मदापुरम में बस ने ऑटो को मारी टक्कर

ऑटो ड्राइवर समेत 3 घायल, बस ड्राइवर पर लापरवाही का केस

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम में बुधवार रात बैतूल जा रही किलेदार बस ने सामने से आ रहे एक ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो ड्राइवर सहित तीन लोग घायल हो गए। ऑटो आगे से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क पर कुछ देर यातायात भी बाधित रहा। दुर्घटना रात करीब 8:15 बजे बड़ी बहाड़िया सांई कृष्णा रिसॉर्ट के पास हुई। ऑटो ड्राइवर जगदीश जाटव, यात्री दिनेश चौरे और नारायण सिंह को लेकर इटारसी की ओर से नर्मदापुरम आ रहा था। तभी भोपाल से बैतूल की ओर जा रही किलेदार बस (MP48-P-0446) ने सामने से टक्कर मार दी। घायलों को राहगीरों की मदद से ऑटो से बाहर निकाला गया। बस की सवारियां हादसे के बाद नीचे उतर गईं।

तीनों को सिर और शरीर में चोटें: घायलों को देहात पुलिस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया। ऑटो ड्राइवर जगदीश जाटव के सिर और बाएं हाथ में चोट आई। यात्री दिनेश चौरे के सिर में चोट और नारायण सिंह के सिर और पसली में चोट आई है। डॉक्टरों के अनुसार सभी की हालत स्थिर है।

बस ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज: घायल ऑटो ड्राइवर ने आरोप लगाया कि बस ड्राइवर तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में स्टेयरिंग फेल होने की जानकारी भी सामने आई है।

छतरपुर में तलैया में पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, दो किसानों की मौत

खाद लेने गए थे दोनों; परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर जिले के सटई थाना क्षेत्र के विजयपुर गांव के पास बुधवार रात एक तलैया में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से दो लोगों की मौत हो गई। परिजन हादसे को लेकर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सटई अस्पताल भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मृतक दीनदयाल राजपूत (40) और बबलू राजपूत (35) बुधवार शाम मातगुवां से खाद लेने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से निकले थे। देर रात तक दोनों घर नहीं लौटे। परिजन उनकी तलाश में निकले और गुरुवार सुबह तलैया में ट्रैक्टर के साथ उनका शव पड़ा होने की जानकारी मिली।

परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया: परिजन मौके पर पहुंचे तो उन्होंने हत्या की अशंका जताई। उन्होंने कुछ गांववालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा वाहन पलटने से हुआ माना जा रहा है।

पुलिस जांच में जुटी: सटई थाना पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शवों और ट्रैक्टर-ट्रॉली को बाहर निकाला। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सटई अस्पताल भेजा गया। थाना प्रभारी रूपनारायण पटेरिया ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के असली कारणों का पता लगाया जा रहा है।

झाबुआ में ओवरटेक करने पर विवाद, कार पर हमला

धार जा रहे परिवार से मारपीट; तीन आरोपी गिरफ्तार

झाबुआ, एजेंसी। झाबुआ जिले के पेटलावद थाना क्षेत्र में ओवरटेक को लेकर हुए विवाद में एक बाइक पर सवार तीन युवकों ने धार जा रहे एक परिवार की कार पर हमला कर दिया। युवकों ने कार में तोड़फोड़ की और विरोध करने पर मारपीट भी की। यह घटना बुधवार शाम 6 बजे की जिसमें कार सवार एक व्यक्ति को चोटें आई हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। धार जिले के रहने वाले एक दंपति अपने बेटे के साथ अपनी बलेनो कार (क्रमांक एमपी-09-सीएस-4497) से घर लौट रहे थे। पेटलावद-करड़ावद मार्ग पर उनकी कार का एक बाइक (क्रमांक एमपी-11-जे-0619) पर सवार तीन युवकों से ओवरटेक को लेकर विवाद हो गया।

जानकारी के अनुसार, युवकों ने करड़ावद में संतोष होटल के पास कार को ओवरटेक किया। इसके बाद उन्होंने ड्राइवर साइड के शीशे पर धक्का मारा और कार सवार व्यक्ति से ओवरटेक करने का कारण पूछते हुए अपशब्द कहे। इसी दौरान बाइक पर पीछे बैठे एक युवक ने चाकू दिखाकर धमकी दी। इस घटना से घबराकर कार सवार व्यक्ति तेजी से कार भगाकर करड़ावद चौराहे पर पहुंचे और वहां मौजूद लोगों को घटना के बारे में बताया। तभी वे तीनों युवक वापस लौटकर आए और वहां मौजूद लोगों से भी अपशब्द कहने लगे। मोटरसाइकिल चला रहे आरोपी ने कार सवार को धमकी देते हुए खुद को ग्राम दोत्रिया के सरपंच का लड़का और स्थानीयदादा पहलवान बताया।

जब कार सवार ने वहां से निकलने की कोशिश की, तो आरोपी युवक ने चाकू निकालकर कार के आगे, पीछे और बाई तरफ के शीशे तोड़ दिए। इस तोड़फोड़ में कार को लगभग 40 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। हमले में कार सवार युवक के दाहिनी तरफ सिर और बाएं हाथ में चोटें भी आई हैं।

खरगोन में दो मिनी ट्रक आपस में टकराए

दोनों के ड्राइवरों की मौके पर मौत, केबिन डेढ़ फीट अंदर घुसे

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के बालसमुद के पास इंदौर रोड पर गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। दो मिनी ट्रकों की आमने-सामने टक्कर में दोनों चालकों की मौके पर मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के केबिन लगभग डेढ़ फीट अंदर तक घुस गए।

हादसा गुरुवार सुबह करीब 6:30 बजे बालसमुद स्थित पेट्रोल पंप के सामने हुआ। एक मिनी ट्रक और सब्जी से भरी पिकअप वाहन आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना में दोनों चालकों की मौत के अलावा सात अन्य लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

खाद लेकर लौट रहा था मिनी ट्रक चालक: मृतक मिनी ट्रक चालक की पहचान दिनेश, पिता चेतराम भालसे (42) निवासी जीरभार के रूप में हुई है। वह धार जिले के धरमपुरी स्थित पोल्ट्री फार्म से खाद लेकर अपने गांव लौट रहे थे। वहीं, सब्जी से लदा पिकअप वाहन इंदौर की ओर जा रहा था, और इसके चालक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

जेसीबी की मदद से निकाले शव: हादसे की सूचना मिलने पर ग्रामीण सैफुद्दीन खान और जावेद खान मौके पर पहुंचे। जेसीबी और कटर की मदद से कड़ी मेहनत के बाद दोनों चालकों के शव केबिन से बाहर निकाले गए। पुलिस ने शवों को कसरावद अस्पताल भिजवाया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण चालकों ने वाहनों पर नियंत्रण खो दिया, जिससे यह भीषण दुर्घटना हुई।

सागर की करीला बस्ती में मकान में घुसा कोबरा

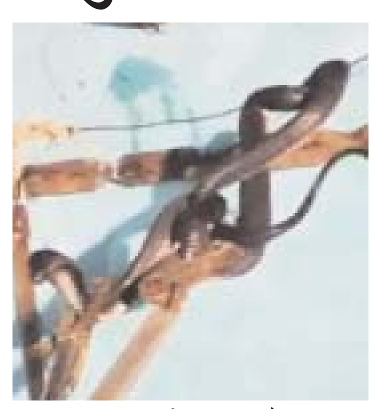

सागर, एजेंसी। सागर की करीला नई बस्ती के एक मकान में सांप घुस गया। सांप घर की छप्पर में छिपा बैठा था। परिवार के लोगों की सांप पर नजर पड़ी तो हड़कंप मच गया। वह घर के बाहर आ गए। तत्काल स्नेक कैचर बबलू पवार को सूचना। स्नेक कैचर बबलू मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू शुरू किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद सांप को पकड़ लिया गया।

जानकारी के अनुसार करीला नई बस्ती में रहने वाले मनोज पटेल के मकान में सांप था। सांप घर की छप्पर में था। परिवार के लोग कमरे में पहुंचे तो सांप देखा। सूचना पर स्नेक कैचर मौके पर पहुंचे और सांप को पकड़ने के लिए रेस्क्यू शुरू किया। छप्पर में लगे लकड़ी के गत्तों के बीच काफी मशक्कत के बाद स्नेक कैचर ने सांप को पकड़ा। जैसे ही सांप को पकड़ा तो वह कमरे में बंधे तार से लिपट गया। गुस्से में फुफकार मारने लगा। स्नेक कैचर जैसे-तैसे सांप को नियंत्रण में किया और सुरक्षित पकड़ लिया। स्नेक कैचर बबलू पवार ने बताया कि रेस्क्यू में पकड़ाया सांप कोबरा प्रजाति का है। सांप करीब साढ़े चार फीट लंबा है। यह सांप बेहद जहरीला होता है। सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ा।

अर्जुन सिंह एक विचारधारा थे, प्रदेशभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई दाऊ साहब की जयंती

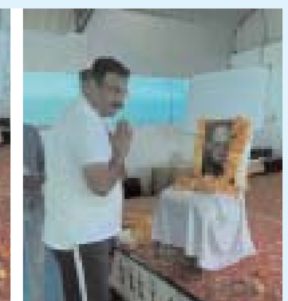

भोपाल, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पंजाब के पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय कुंवर अर्जुन सिंह (दाऊ साहब) की जयंती प्रदेशभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में राजधानी भोपाल सहित सीधी और पचमढ़ी में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और अनुयायियों ने उनकी प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। राजधानी भोपाल में सबेरे से ही कांग्रेसजनों का तांता बोर्ड ऑफिस चौराहे स्थित अर्जुन सिंह की प्रतिमा स्थल पर लगा रहा। यहां प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व मंत्री, विधायक और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर चौधरी ने कहा कि 'अर्जुन सिंह व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा थे — जिन्होंने सामाजिक न्याय, गरीबों के उत्थान, शिक्षा के प्रसार और भारतीय संस्कृति की रक्षा में अमूल्य योगदान दिया।'

उन्होंने कहा कि जब अर्जुन सिंह पंजाब के राज्यपाल थे, तब उन्होंने बिना सेना की मदद से राज्य से आतंकवाद को समाप्त किया। यह कार्य अपने आप में अद्वितीय उदाहरण है, जिसने देश के राजनीतिक इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। चौधरी ने कहा कि आज के युवाओं को अर्जुन सिंह के विचारों और नीतियों से प्रेरणा लेकर देश के समग्र विकास के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में अर्जुन सिंह के पुत्र एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह और उनके बड़े बेटे अभिमन्यु सिंह ने भी भाग लिया। दोनों ने अपने पिता की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि दाऊ साहब का पूरा जीवन त्याग, सेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने का कार्य किया।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, शिवाजी नगर में भी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने दाऊ साहब को याद किया। इसी क्रम में सीधी जिले में कांग्रेसजनों ने जवाहर कांग्रेस भवन और अस्पताल चौक स्थित प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

रायसेन में किसान ने उगाई शुगर-फ्री जैविक धान

उत्तराखंड से बीज मंगाया

रायसेन, एजेंसी। रायसेन जिले की धान दूसरे देशों में अपनी पहचान स्थापित कर चुकी है। अब किसान भी नए-नए प्रयोग कर धान का उत्पादन करने में लगे हैं। जिला मुख्यालय से 3 किलोमीटर दूर मोहनिया गांव के किसान अनिल शर्मा ने शुगर-फ्री जैविक धान की फसल उगाई है। यह धान उत्तराखंड से मंगाए गए विशेष बीज से तैयार की गई है और इसकी खेती में किसी भी तरह के खाद या कीटनाशक का उपयोग नहीं किया गया। अनिल शर्मा ने बताया कि उन्होंने उत्तराखंड से 500 रुपये प्रति किलो की दर से शुगर-फ्री धान का बीज मंगाया था।

एक बार भी नहीं किया कीटनाशक का छिड़काव: इस धान की बालियां बाहर से काली होती हैं, लेकिन अंदर से सफेद चावल निकलता है। इस किस्म का नाम पूसा नरेंद्र (काला नमक) है।यह धान 120 दिनों में तैयार होती है। किसान के अनुसार, फसल में एक बार भी कीटनाशक का छिड़काव नहीं करना पड़ा, फिर भी यह पूरी तरह रोगमुक्त रही।

चार बेटियों के पिता ने आत्महत्या से पहले वीडियो बनाया

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर शहर के महाजनापेठ क्षेत्र के सतियारा घाट निवासी 4 बेटियों के पिता ने बुधवार दोपहर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक ने आत्महत्या से पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उसने कुछ लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। मृतक की पहचान अजय सुनार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, उसने व्यक्तिगत कारणों के चलते आत्महत्या की। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में अजय ने कहा मेरी चार बेटियां हैं, चारों को भगवान के हवाले करके जा रहा हूं। वीडियो में उसने कुछ व्यक्तियों के नाम लेकर उन्हें अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

पुलिस ने मोबाइल जब्त कर शुरू की जांच: घटना की सूचना मिलते ही शिकारपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बाद में शव को परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है ताकि आत्महत्या से पहले किए गए वीडियो और कॉल डिटेल की जांच की जा सके।

थाना प्रभारी बोले— प्रारंभिक जांच में मर्ग कायम: शिकारपुरा थाना प्रभारी कमल सिंह पंवार ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब पौने दो बजे सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर जांच की गई।उन्होंने कहा– फिलहाल मर्ग कायम कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मोबाइल की जांच के बाद जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथा टी-20 हराया: सीरीज में 2-1 से आगे; गिल ने 46 रन बनाए, सुंदर ने सिर्फ 3 रन देकर 3 विकेट लिए

गोल्ड कोस्ट भारत ने चौथे टी-20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 48 रन से हरा दिया। गोल्ड कोस्ट में गुरुवार को 168 रन का टारगेट चेज कर रही ऑस्ट्रेलिया 18.2 ओवर में 119 रन पर ऑलआउट हो गई। वॉशिंगटन सुंदर ने 3 रन देकर 3 विकेट झटके। अक्षर पटेल और शिवम दुबे को 2-2 विकेट मिले। टॉस हारकर बैटिंग कर रही भारतीय टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 167 रन बनाए। शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 46 रनों की पारी खेली। उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ 56 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। कप्तान सूर्यकुमार यादव 20 और शिवम दुबे 22 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और एडम जम्पा ने 3-3 विकेट झटके। जैवियर बार्टलेट और मार्कस स्टोयनिस को एक-एक विकेट मिला। मैच का स्कोरबोर्ड मैच विनर्स

प्लेयर ऑफ द मैच - अक्षर पटेल

ऑलराउंडर अक्षर पटेल प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने भारतीय पारी के आखिरी ओवर्स में 11 बॉल पर एक चौके और एक छक्के के सहारे नाबाद 21 रन की पारी खेली। इस पारी ने टीम का स्कोर 167 रन तक पहुंचा दिया। फिर गेंदबाजी में मैथ्यू शॉर्ट (25 रन) और जोश इंग्लिस (12 रन) को आउट करके ऑस्ट्रेलिया पर शुरुआती दबाव बनाया। उन्होंने 4 ओवर्स की गेंदबाजी में 20 रन दिए।

भारत ने 2-1 की बढ़त बनाई

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का पहला मुकाबला बेनतीजा रहा था। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मैच को जीतकर 1-0 की बढ़त ली थी। उसके बाद भारत ने तीसरे मैच में जीत दर्ज करके 1-1 की बराबरी हासिल की थी।

प्लेइंग-11

ऑस्ट्रेलिया- मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), टिम डेविड, जोश फिलिप, मार्कस स्टोयनिस, ग्लेन मैक्सवेल, जैवियर बार्टलेट, बेन ड्वारशस, नाथन एलिस और एडम जम्पा।

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह।

कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी मुकाबला चंडीगढ़ और हिमाचल के बीच ड्रॉ पर समाप्त

चंडीगढ़, एजेंसी। बिलासपुर के लुहणू क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा कर्नल. सी.के. नायडू ट्रॉफी एलीट ग्रुप का मुकाबला चंडीगढ़ और मेजबान हिमाचल प्रदेश के बीच बुधवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मैच की सबसे बड़ी विशेषता हिमाचल के कप्तान मृदुल सुरूच की शानदार बल्लेबाज़ी रही, जिन्होंने पहली पारी में दोहरा शतक जड़ने के बाद दूसरी पारी में भी 122 रन की उम्दा पारी खेली। हिमाचल की पहली पारी 503 रन के विशाल स्कोर पर समाप्त हुई। इसके जवाब में चंडीगढ़ की टीम 376 रन पर सिमट गई। चंडीगढ़ की ओर से राघव वर्मा (112), अधिराज (85) और कप्तान नील धालीवाल (85) ने शानदार पारियां खेलीं। पहली पारी में 127 रन की बढ़त हासिल करने के बाद हिमाचल ने दूसरी पारी में भी आक्रामक खेल दिखाया। कप्तान मृदुल के अलावा कबीर (60) और अमनप्रीत सिंह (50) ने अर्धशतक लगाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुँचाया।

चंडीगढ़ की ओर से जसकीरत सिंह मेहरा सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने 3 विकेट हासिल किए। हिमाचल प्रदेश जब 281/6 के स्कोर पर पहुंचा, तो दोनों टीमों ने आपसी सहमति से मैच ड्रॉ घोषित कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज के लिए ऋषभ पंत की भारतीय टीम में हो सकती है वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंजरी की वजह से इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान भारतीय टीम से बाहर होना पड़ा था। पंत फिट हो चुके हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में उनकी वापसी लगभग तय मानी जा रही है। आईएएनएस को मिली जानकारी के मुताबिक अजीत अगरकर की अगुवाई वाली सीनियर पुरुष चयन समिति की बुधवार को ऑनलाइन बैठक हुई थी। बैठक का मुख्य उद्देश्य दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम पर विचार करना था। टीम की घोषणा जल्द हो सकती है। उपकप्तान ऋषभ पंत की टीम में वापसी लगभग तय मानी जा रही है। ऋषभ पंत जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए सीरीज के चौथे टेस्ट में इंजर्ड हो गए थे। पंत के पैर में चोट लगी थी। इस वजह से इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट और फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से वह बाहर रहे थे। उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने विकेट के पीछे की जिम्मेदारी संभाली थी। ऋषभ पंत ने इंजरी से पूरी तरह से रिकवरी कर ली है। पंत ने अपनी फिटनेस के साथ ही फॉर्म भी हासिल कर ली है। पंत को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैचों में भारतीय टीम की कमान सौंपी गई थी। इसका उद्देश्य ही उनकी फॉर्म और फिटनेस की जांच करना था, इसमें वे सफल रहे। पहले टेस्ट की दूसरी पारी में पंत ने 90 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरा टेस्ट 8 नवंबर से खेला जाएगा। इस टेस्ट में शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव खेल सकते हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट 14 नवंबर से कोलकाता में और दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी बांह पर बनवाई विश्व कप ट्रॉफी की टैटू

नई दिल्ली, एजेंसी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने 2 नवंबर को इतिहास रचते हुए अपना पहला विश्व कप जीता। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया। भारतीय टीम में शामिल खिलाड़ियों के लिए 2 नवंबर का दिन उस सपने को जीना था जिसे वे और देशवासी वर्षों से देख रहे थे। खिलाड़ी अभी भी विश्व कप में मिली जीत के रोमांच से बाहर नहीं आ पाई हैं और पल-पल उसे जी रही हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तो अपनी बांह पर विश्व कप ट्रॉफी की टैटू ही बनवा ली है। हरमनप्रीत कौर ने विश्व कप ट्रॉफी की टैटू के साथ ही अपनी बांह पर 2025 और 52 भी गुदवाया है। दरअसल, भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया था। भारतीय कप्तान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर नए टैटू की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, यह ट्रॉफी हमेशा के लिए मेरी त्वचा और दिल में बस गई है। पहले दिन से तुम्हारा इंतजार कर रही थी और अब मैं तुम्हें हर सुबह देखूंगी और आभारी रहूंगी।

विश्व चैंपियन बनने के बाद भारतीय कप्तान ने युवाओं को सपने देखते रहने का मूलमंत्र भी दिया था। बीसीसीआई द्वारा शेयर की गई वीडियो में हरमनप्रीत कौर ने कहा, ÷युवाओं को सपने देखना कभी नहीं छोड़ना चाहिए। आपको नहीं पता आप कब कहां पहुंच जाएंगे। मैंने बचपन में भारतीय जर्सी पहनने और विश्व कप जीतने का सपना देखा था, जो अब सच हो गया है।

वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला टीम चौथी टीम है। 1973 से लेकर 2022 के बीच हुए 12 वनडे विश्व कप संस्करण में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड विजेता रही हैं। ऑस्ट्रेलिया 7, इंग्लैंड 4 और न्यूजीलैंड 1 बार विजेता रही है। इस लिस्ट में अब भारतीय टीम का नाम भी शामिल हो गया है।

आईसीसी की बैठक में बीसीसीआई उठा सकती है एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा, सूत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप 2025 का खिताब अभी तक एसीसी ने नहीं दिया है। इस मुद्दे को बीसीसीआई शुक्रवार को आईसीसी की बैठक में उठा सकती है। आईएएनएस को मिली जानकारी के मुताबिक, ÷शुक्रवार को आईसीसी की बैठक में सभी क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मिलेंगे। बैठक में बीसीसीआई एशिया कप ट्रॉफी हस्तांतरण का मुद्दा उठा सकती है। एसीसी को लिखे गए औपचारिक पत्र के बावजूद ट्रॉफी का अब तक हस्तांतरण नहीं हो सका है।÷ बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 1 नवंबर को आईएएनएस से बात करते हुए आईसीसी की बैठक में ट्रॉफी हस्तांतरण में देरी की शिकायत उठाने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि इस संबंध में एसीसी को 10 दिन पहले एक पत्र भेजा गया था।

भारतीय क्रिकेट टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप 2025 का खिताब जीता था। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एसीसी के पाकिस्तान मूल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। इसके पीछे भारत-पाकिस्तान तनाव और मोहसिन नकवी का एसीसी अध्यक्ष के साथ-साथ पाकिस्तान का गृह मंत्री और पीसीबी का अध्यक्ष होना भी रहा।

मोहसिन नकवी चाहते तो भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब बोर्ड के किसी दूसरे अधिकारी द्वारा दिलवा सकते थे। लेकिन इसकी जगह उन्होंने ट्रॉफी को भारतीय टीम को न देकर आयोजन स्थल से हटाने का आदेश दिया। नकवी के इस फैसले के बाद एशिया कप के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ा तनाव और बढ़ गया।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशिया कप खिताब को भारत को लौटाने के लिए एसीसी को ई-मेल के माध्यम से कहा है, इसका कोई जवाब बीसीसीआई को नहीं मिला है। इसी वजह से बीसीसीआई आईसीसी की बैठक में इस मुद्दे को उठाने वाली है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग: रोहित शर्मा शीर्ष पर बरकरार, शुभमन गिल और बाबर आजम लुढ़के

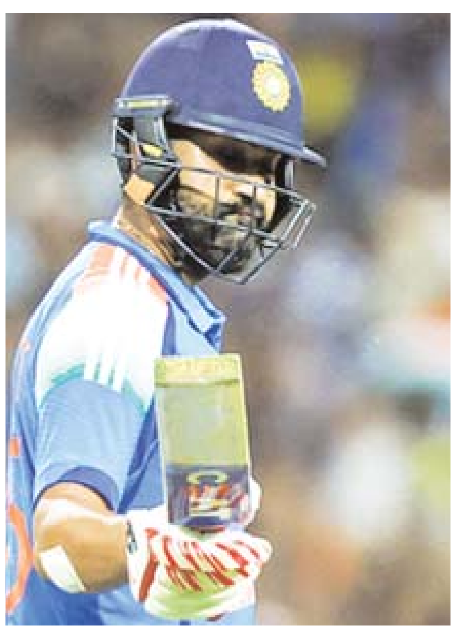

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने बुधवार को वनडे के शीर्ष बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग जारी की। रैंकिंग में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपना पहला स्थान बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे वनडे में शतक लगाने के बाद करियर में पहली बार शीर्ष रैंक हासिल की थी। रोहित के अलावा शीर्ष दस में शुभमन गिल, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भारतीय बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड को 3-0 से जीत मिली थी। इस जीत में न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिचेल ने अहम भूमिका निभाई थी और 178 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। इस प्रदर्शन का फायदा मिचेल को हुआ है। उन्होंने वनडे में अपने करियर की अब तक की श्रेष्ठ रैंक हासिल की है। मिचेल तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्हें ताजा रैंकिंग में दो स्थान का फायदा हुआ है। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान दूसरे स्थान पर हैं। शुभमन गिल और बाबर आजम दोनों को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के एक भी मैच में बड़ी पारी खेलने में असफल रहे थे। इसका उन्हें नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं बाबर आजम मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच में फ्लॉप रहे थे। इसका उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो वनडे और खेले जाने हैं। बाबर आजम के पास बेहतर प्रदर्शन करते हुए रैंकिंग सुधारने का मौका है। गिल चौथे स्थान पर जबकि बाबर आजम पांचवें स्थान पर हैं। विराट कोहली छठे, श्रीलंका के कप्तान चरिथ असालंका सातवें, आयरलैंड के हैरी टैक्टर आठवें, श्रेयस अय्यर नौवें और वेस्टइंडीज के शाई होप दसवें स्थान पर हैं।

चैंपियंस लीग: फिल फोडेन ने दागे 2 गोल, डॉर्टमुंड के खिलाफ मैनचेस्टर सिटी की आसान जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी ने बोरुसिया डॉर्टमुंड पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम ने चैंपियंस लीग स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। फिल फोडेन इस मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने दो गोल दागे। डॉर्टमुंड ने शुरुआती समय में मैनचेस्टर सिटी को रोके रखा, लेकिन 22वें मिनट फिल फोडेन ने बॉक्स के किनारे से एक सटीक लो शॉट लगाकर मैच का रुख बदल दिया। इसके 7 मिनट बाद एर्लिंग हालैंड ने डोकू के क्रॉस पर एक जोरदार शॉट लगाकर सिटी की बढ़त को दोगुना कर दिया। यहां से डॉर्टमुंड मुकाबले में 0-2 से पिछड़ गई थी। शानदार शुरुआत के बावजूद मेहमान टीम सिटी की गति और मूवमेंट को संभालने में नाकाम रही। हाफ टाइम से पहले गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल को बार-बार एक्शन में आना पड़ा। फिल फोडेन ने 57वें मिनट में फिर से गोल दागते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। मुकाबले के 72वें मिनट डॉर्टमुंड ने जवाब दिया। वाल्डेमर एंटोन ने एक शॉर्ट फ्री किक के बाद वॉली मारकर गोल किया। मैच खत्म होने में 20 मिनट से भी कम समय शेष रह गया था। मुकाबले का स्कोर 3-1 था। इस बीच बुंडेसलीगा टीम ने आगे बढ़कर हमला किया। करीम एडेयेमी दो बार गोल के करीब पहुंचे, लेकिन सब्स्टीट्यूट रेयान चेर्की ने स्टॉपेज टाइम (90+1) में गोल करके नतीजा पक्का कर दिया।

जब ट्रॉफी के बगैर पीएम मोदी से मिली थी भारतीय महिला क्रिकेटर, हरमनप्रीत ने याद किया वो दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की महिला विश्व कप विजेता टीम ने बुधवार को 7 लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पीएम मोदी से साल 2017 में हुई मुलाकात को याद किया। वनडे विश्व कप 2017 के फाइनल में भारतीय महिला टीम को इंग्लैंड के हाथों 9 रन के करीबी अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। उस समय मिताली राज भारतीय टीम की कप्तान थीं। हरमनप्रीत कौर ने इस मुकाबले में 51 रन की जुझारू पारी खेली थी। हरमनप्रीत कौर ने साल 2017 में पीएम मोदी से हुई मुलाकात को याद किया, जब टीम इंडिया ट्रॉफी जीते बगैर उनसे मिली थी, लेकिन इस बार महिला टीम ट्रॉफी के साथ पीएम मोदी से मिली है। इस टीम ने अपने वादे को पूरा किया है।

बातचीत के दौरान उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने बताया कि पीएम मोदी ने उन्हें मोटिवेट किया है, वह उन सभी के लिए प्रेरणा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आज लड़कियां सभी क्षेत्रों में अच्छा कर रही हैं। यह पीएम मोदी के प्रयासों के कारण है। इस मुलाकात के दौरान हरमनप्रीत ने बताया कि कैसे उनके कोच ने उन्हें सिखाया कि वर्तमान में रहना जरूरी है। हमें पहले की चीजों को भूलकर वर्तमान में जीना होगा। ये बहुत जरूरी है। यही बात एक पीएम के तौर पर आप भी कहते हैं। यह हमारी मजबूती के लिए जरूरी है और ट्रेनिंग का हिस्सा है।

इस पर पीएम मोदी ने भी कहा कि वर्तमान में रहना उनकी जिंदगी का हिस्सा रहा है और यह उनकी आदत बन गई है। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ नवी मुंबई में खेले गए खिताबी मुकाबले को 52 रन से जीता। इस मुकाबले में टीम इंडिया ने शेफाली वर्मा (87) और दीप्ति शर्मा (58) की शानदार पारियों के दम पर 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि क्लो ट्रायॉन, नॉनकुलुलेको म्लाबा और नादिन डी क्लार्क ने 1-1 विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 45.3 ओवरों में 246 रन पर सिमट गई। सलामी बल्लेबाज कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने 98 गेंदों में 1 छक्के और 11 चौकों के साथ 101 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं।

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि शेफाली वर्मा ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, श्री चरणी ने 1 विकेट हासिल किया।

विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया से खास प्रेम

करियर में सर्वाधिक रन कंगारुओं के खिलाफ बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली बुधवार को अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। पिछले डेढ़ दशक में कोहली का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा रहा है। कोहली को दबाव में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना हमेशा से एक अतिरिक्त दबाव का कार्य होता है, लेकिन कोहली ने इस टीम के खिलाफ हमेशा श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। तीनों ही फॉर्मेट में कोहली ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को अपने सामने झुकने पर विवश किया है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में अन्य टीमों की अपेक्षा कोहली का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वोत्तम रहा है। सबसे पहले बात टेस्ट क्रिकेट की करें तो 123 टेस्ट में 30 शतक और 31 अर्धशतक की मदद से कोहली ने 9,230 रन बनाए हैं। इसमें सबसे ज्यादा रन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आए हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 30 टेस्ट की 53 पारियों में 9 शतक और 5 अर्धशतक की मदद से 2,232 रन बनाए हैं। टेस्ट क्रिकेट को विराट अलविदा कह चुके हैं। विराट ने 305 वनडे में 51 शतक और 75 अर्धशतक की मदद से 14,255 रन बनाए हैं। इसमें 53 वनडे में 8 शतक और 16 अर्धशतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2,525 रन आए हैं।

विराट ने वनडे में ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा रन श्रीलंका के खिलाफ (2,652 रन) बनाए हैं। इसकी वजह श्रीलंका के खिलाफ ज्यादा मैच खेलना है। 125 टी20 में विराट ने 1 शतक और 38 अर्धशतक की सहायता से 4,188 रन बनाए हैं। 23 टी20 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वाधिक रन आए हैं। 794 रन आए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 8 अर्धशतक निकले हैं। टी20 विश्व कप 2024 में भारत को चैंपियन बनाने के बाद विराट ने इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था।

संयुक्त प्रयास से स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार लायें : कलेक्टर

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग को योजनाओं और कार्यक्रमों का बेहतर क्रियान्वयन कर संयुक्त प्रयासों से जिले के स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार लाने के निर्देश दिये हैं। गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर ने दोनों विभागों के कार्यक्रम एवं योजनाओं की समीक्षा की। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. मनोज शुक्ला, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुचित्रा अग्रवाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजीव सिंह सहित बीएमओ, बीपीएम तथा सीडीपीओ उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों के लिए संचालित स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों में स्वास्थ्य विभाग और बाल विकास मैदानी स्तर के कार्यकर्ताओं की विकासखण्ड और सेक्टर स्तर पर समीक्षा बैठक करें। इन बैठकों के लिए एजेण्डा निर्धारित हो और कार्यवाही विवरण की रिपोर्ट भी आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कम से कम तीन माह में यह बैठक एक बार होनी चाहिए। सीवियर एनीमिया, हाईरिस्क प्रेगनेंसी, ए.एन.सी. परीक्षण और मातृ-मृत्यु प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि मातृ-मृत्यु और शिशु मृत्यु के प्रकरण की गंभीरता से आडिट की जाये। मातृत्व कल्याण के लिए संचालित योजनाओं में आशा एवं मैदानी कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इसलिए मातृ-मृत्यु पर संबंधित की लापरवाही पाये जाने पर उन्हें सेंसटाइज और दण्डित भी किया जाना चाहिए। अब तक रजिस्टर्ड जिले में कुल 172 सीवियर एनीमिक मदर का नियमित फालोअप किया जाकर हर हफ्ते की वीकली रिपोर्ट टीएल की बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिये। कलेक्टर ने कहा कि गर्भवती महिलाओं में सीवियर एनीमिया ही जटिलता का कारण बनता है इसलिए इस पर फोकस करें। कलेक्टर ने कहा कि डीसीएम और बीसीएम आशा, सुपरवाइजर, मातृ सहयोगिनी, आंगनवाडी कार्यकर्ता की संयुक्त प्रशिक्षण ब्लाक स्तर पर दें।

कलेक्टर ने जिला अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी को स्पष्ट निर्देशित किया कि सीएचसी और पीएचसी से रिफर होकर आने वाले बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को तत्काल ब्लड इश्यू किया जाये। ऐसे प्रकरणों में ब्लड के बदले एवज में ब्लड डोनेशन की मांग नहीं की जानी चाहिए। भविष्य में ऐसी शिकायत मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।

पुलिस-आबकारी विभाग की कार्रवाई, 54 लीटर अवैध शराब जब्त, दो गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के नागौद विकासखंड में पुलिस और आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ अलग-अलग बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 54 लीटर अवैध शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि आबकारी विभाग ने कच्ची शराब बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया।

पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार: नागौद थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो लोग मोटरसाइकिल से अवैध शराब ले जा रहे हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल पर रखी बोरी और कार्टून से 200 शीशी देशी मदिरा और 100 शीशी गोवा व्हिस्की बरामद हुई।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान संदीप उर्फ विकास उर्फ आकाश जैसवाल (26 वर्ष) और सुभाष उर्फ शुभम जैसवाल (27 वर्ष) के रूप में हुई। पुलिस ने उनके खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया और उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

कच्ची शराब फैक्ट्री ध्वस्त, आरोपी फरार

आबकारी विभाग ने नष्ट की कच्ची शराब फैक्ट्री: उंचेहरा तहसील के खोखर्रा गांव में आबकारी विभाग ने अवैध रूप से चलाई जा रही कच्ची महुआ शराब की फैक्ट्री पर दबिश दी। टीम ने मौके पर शराब बनाने वाली भट्टियों को ध्वस्त कर दिया और लगभग 25 क्विंटल महुआ लाहन नष्ट किया। 35 लीटर तैयार कच्ची महुआ शराब भी बरामद हुई।

तस्कर मौके से फरार: जब आबकारी विभाग की टीम पहुंची, आरोपी पहले ही भाग निकले। विभाग ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और अब अवैध कारोबार में शामिल व्यक्तियों की तलाश जारी है। खोखर्रा, बिहटा और पथरौंधा गांव लंबे समय से कच्ची महुआ शराब के अवैध उत्पादन के लिए कुख्यात रहे हैं।

सतना में वार्ड 42 में डामरीकरण कार्यों का भूमि पूजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने सतना नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 42 में विभिन्न स्थलों पर डामरीकरण कार्यों का भूमि पूजन किया। इन कार्यों की कुल लागत 22.75 लाख रुपए है। भूमि पूजन कार्यक्रम स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर पूर्व पार्षद प्रसेनजीत सिंह 'पिक्की', नीरज शुक्ला (जिला महामंत्री, युवा मोर्चा), अतुल श्रीवास्तव, अज्जू द्विवेदी, मन्नी शर्मा, कुलदीप सिंह, अजीत पांडे, सौरव सोनी, संतोष अगहरी, प्रिया, राजेश द्विवेदी और बंसीलाल सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महापौर ने कहा कि नगर में सड़क और डामरीकरण कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों की हुई शुरुआत

वार्ड क्रमांक 29 में नाली कवरिंग एवं पुलिया मरम्मत कार्य का भूमि पूजन संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर निगम क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 29 में आज विभिन्न स्थानों पर नाली कवरिंग कार्य (लागत राशि 17.80 लाख) एवं पुलिया मरम्मत कार्य (लागत राशि 21.00 लाख) का भूमि पूजन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्थानीय जनों की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि नगर निगम द्वारा सतना शहर के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने वार्ड क्रमांक 29 सहित संपूर्ण नगर में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और जनकल्याण कार्यों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। साथ ही नागरिकों से नगर के विकास और स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग का भी आह्वान किया। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, निर्माण विभाग अध्यक्ष गोपी गेलानी, भाजपा के पूर्व जिला मंत्री बालकृष्ण शुक्ला, स्थानीय पार्षद एवं एम.आई.सी. सदस्य रानी बालकृष्ण शुक्ला सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में नंदकिशोर मिश्रा, राजकिशोर, निलांबुज पांडे, रामबहार तिवारी, सुनील मिश्रा, घनश्याम सोनी, धर्मदास द्विवेदी, भगवतदास द्विवेदी, दयानंद तिवारी, राममणि तिवारी, उमेश शर्मा, पप्पी तिवारी एवं राजेश सिंह की भी गरिमामय उपस्थिति रही। स्थानीय नागरिकों ने विकास कार्यों की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर निगम टीम का आभार प्रकट किया और उम्मीद जताई कि ये कार्य क्षेत्र के जल निकासी व आवागमन की समस्या को दूर करने में मील का पत्थर साबित होंगे।

शिक्षा व्यवस्था की बदहाल तस्वीर, सरकारी स्कूलों में सुविधाओं की स्थिति चिंता जनक

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। मझगवां विकास खंड के सरकारी विद्यालयों की स्थिति सुधरने के बजाय लगातार बदतर होती जा रही है। बच्चों के लिए बुनियादी सुविधाएँ जैसे पेयजल, शौचालय, खेल का मैदान और विद्यालय भवन अब गंभीर रूप से खस्ताहाल हैं। विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का कहना है कि इस माहौल में बच्चों का शैक्षिक विकास लगभग असंभव है। स्थानीय आदिवासी इलाकों के स्कूलों में हालात इतने बदतर हैं कि विद्यालय में उपस्थित छात्रों की संख्या बढ़ाने का सवाल ही उठता है। उदाहरण स्वरूप पटनी, डाड़िन, कानपुर जैसे गाँवों में कभी देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, राज्यपाल या मुख्यमंत्री भी आये, लेकिन वहां की बदहाली में कोई सुधार नहीं हुआ।

शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन की नाकामी: शासकीय अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के बार-बार दौरे के बावजूद विद्यालयों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। शासकीय रिकॉर्ड बताते हैं कि जुलाई से अक्टूबर तक शासकीय अधिकारियों, ष्टश्वह्र, स्ष्ठरू, सहायक कलेक्टर, सांसद और विधायक इन स्कूलों का निरीक्षण कर चुके हैं, लेकिन कोई ठोस सुधार कार्य नहीं हुआ। विशेष रूप से शा. मा. वि. पटनी में स्थिति बेहद चिंताजनक है। स्कूल परिसर में कीचड़, गड्ढे और जर्जर भवन बच्चों के लिए जोखिम बने हुए हैं। स्थानीय महिलाओं और आदिवासियों ने लगातार समस्याओं की जानकारी अधिकारियों को दी, लेकिन शिक्षा विभाग के खंड और जिला अधिकारी मौके पर आना उचित नहीं समझते।

एसडीएम मझगवां की कार्रवाई: मझगवां स्ष्ठरू महिपाल सिंह गुर्जर द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में यह सामने आया कि बीईओ और बीआरसीसी ने अब तक कभी भी विद्यालयों का निरीक्षण नहीं किया। निरीक्षण रजिस्टर भी नहीं बनाया गया था। एसडीएम ने मौके पर रजिस्टर बनवाया और टिप्पणी की कि आज तक बीईओ और बीआरसीसी ने निरीक्षण नहीं किया।

टोना-टोटके के विवाद में वृद्धा के साथ मारपीट, पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जादू-टोने को लेकर स्थानीय लोगों में अभी भी अंधविश्वास व्याप्त है। इसी अंधविश्वास के चलते सभापुर थाना क्षेत्र में एक वृद्धा के साथ कथित मारपीट की घटना सामने आई है।

क्या हुआ मामला: कछिया टोला तिघरा निवासी श्यामवती मिश्रा ने बताया कि 18 अक्टूबर की रात जब वह अपने घर पर थी, तभी जगदीश मिश्रा की पुत्री रुचि अपने साथ दो युवकों को लेकर उनके घर आई। वृद्धा के अनुसार, युवकों ने रुचि के कहने पर उनकी कनपटी पर पिस्टल तानते हुए गालियाँ दी और मारपीट की। इस संबंध में वृद्धा ने सभापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की।

कौन हैं आरोपी: श्रीमती मिश्रा ने आरोप लगाया है कि यह घटना जगदीश मिश्रा, कृष्णा और रुचि मिश्रा की मिलीभगत से हुई। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं करती है तो भविष्य में उनके साथ फिर से मारपीट हो सकती है। वृद्धा ने यह भी बताया कि इस घटना के बाद वह काफी डरी हुई हैं और सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

विवाद कैसे शुरू हुआ: श्रीमती मिश्रा के अनुसार, उनके घर के सामने लोग नीबू और मिर्च फेंकते रहते थे, जिससे उन्हें नुकसान हो रहा था। जब उन्होंने रुचि से यह पूछना चाहा कि क्या उसने टोना-टोटके के उद्देश्य से ऐसा किया, तो रुचि नाराज हो गई और घटना का स्वरूप हिंसक रूप ले गया।

टोना-टोटके पर राय: स्थानीय लोगों की इस विषय पर अलग-अलग राय है। कुछ लोग मानते हैं कि टोना-टोटका प्रभावशाली होता है और इसके उपाय करने से लाभ मिलता है। वहीं, अन्य लोग इसे केवल भ्रम मानते हैं और कहते हैं कि ऐसे आरोप केवल विद्वता दिखाने के लिए लगाए जाते हैं।

स्पा सेंटर में स्टाफ को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, तीन आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल; पन्ना नाका स्थित क्रिस्टीना स्पा में मचाया उत्पात

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पन्ना नाका स्थित क्रिस्टीना स्पा सेंटर में रविवार देर रात तीन आदतन बदमाशों ने जमकर हंगामा किया। स्पा बंद हो जाने के बाद जब कर्मचारियों ने सेवा देने से इंकार किया, तो आरोपियों ने स्टाफ पर हमला कर दिया। उन्होंने कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा और स्पा में तोड़फोड़ भी की।

जानकारी के अनुसार, घटना रविवार रात करीब 12 बजे की है। रात 10 बजे स्पा बंद करने के बाद कर्मचारी अंदर सफाई और अन्य कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अभिषेक उर्फ अभी शर्मा निवासी पतेरी, मनीष उर्फ चुन्नू शर्मा निवासी चित्रकूट और मोहित उर्फ भाऊ द्विवेदी निवासी चित्रकूट कार से पहुंचे और स्पा सर्विस की मांग करने लगे। मैनेजर शिवम वर्मा ने बताया कि स्पा बंद हो चुका है। इस पर तीनों आरोपी भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए कर्मचारियों पर हमला कर दिया।

शिवम को बचाने आए अन्य कर्मचारियों को भी आरोपियों ने बेरहमी से पीटा। हंगामे की सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। सोमवार सुबह पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपी आदतन अपराधी हैं और पूर्व में भी एडी एक्ट (गुंडा एक्ट) के तहत जेल जा चुके हैं। सोमवार को उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पहले भी विवादों में रहा है यह स्पा सेंटर: क्रिस्टीना स्पा सेंटर का विवादों से पुराना नाता रहा है। कुछ माह पूर्व सीएसपी टीम ने यहां छापा मारा था, लेकिन तब कोई व्यक्ति नहीं मिला था। पुलिस को देखते ही कर्मचारी छत के रास्ते फरार हो गए थे। बताया जाता है कि पहले भी इसी स्थान पर एक अन्य नाम से स्पा सेंटर संचालित था, जिसे पुलिस कार्रवाई के बाद बंद करा दिया गया था।

सेवा की मिसाल, महेश और हेमू जानवानी ने डोनेट किए 1 लाख प्लेटलेट्स

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मानवता की सेवा में सतना के समाजसेवियों ने एक और प्रेरक उदाहरण पेश किया है। सिन्धु विकास समिति के सहयोग से समाजसेवी महेश रोहड़ा और हेमंत (हेमू) जानवानी ने जरूरतमंद मरीजों के लिए 1 लाख प्लेटलेट्स (50-50 हजार प्रत्येक) डोनेट कर जीवन रक्षक योगदान दिया। जानकारी के अनुसार, हाल ही में बिरला अस्पताल में भर्ती दो मरीजों को क्क निगेटिव और ह्र पॉजिटिव प्लेटलेट्स की तत्काल आवश्यकता थी। इस पर समिति अध्यक्ष विनोद गेलानी और सहयोगी आकाश बनर्जी के अनुरोध पर दोनों समाजसेवी तुरंत आगे आए और बिना किसी देरी के प्लेटलेट्स डोनेट किए।

सिन्धु विकास समिति के मीडिया प्रभारी अमित कामरानी ने बताया कि समिति अब तक 47 यूनिट प्लेटलेट्स (करीब 25 लाख प्लेटलेट्स) और 6775 यूनिट ब्लड जरूरतमंदों को डोनेट करा चुकी है। इस सेवा कार्य में महेश जानवानी, कमल जानवानी, आकाश बनर्जी और डॉ. आलोक का विशेष योगदान रहा।

प्लेटलेट्स डोनेशन के इस मानवीय कार्य पर संस्था के संरक्षक गोपी गेलानी, श्रीचंद मनवानी, मनोहर डिगवानी, अध्यक्ष विनोद गेलानी सहित कई गणमान्य सदस्य और महिला मंडल की सदस्याओं ने दोनों दाताओं को बधाई दी और उनके इस कार्य को समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।

मैहर से रामेश्वरम-मदुरई तीर्थयात्रा 23 नवंबर से शुरू

9 तक करें आवेदन, रीवा से रवाना होगी ट्रेन; जिले से 200 यात्री जाएंगे रामेश्वरम

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर रानी बाटड ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत रामेश्वरम-मदुरई तीर्थयात्रा की घोषणा की है। यह यात्रा 23 नवंबर से 29 नवंबर तक प्रस्तावित है, जिसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 9 नवंबर निर्धारित की गई है।

आवेदन पत्र निकटतम तहसील, स्थानीय नगरीय निकाय और जनपद कार्यालयों में कार्यालयीन समय में जमा किए जा सकते हैं। मैहर जिले से इस यात्रा के लिए कुल 200 तीर्थ यात्रियों का कोटा निर्धारित किया गया है। आवेदन पत्रों का परीक्षण 10 नवंबर को शाम 4 बजे तक किया जाएगा।

आवेदक का मैहर जिले का मूल निवासी होना अनिवार्य: तीर्थ दर्शन यात्रा के लिए आवेदक का मैहर जिले की संबंधित तहसील का मूल निवासी होना अनिवार्य है। आवेदक वरिष्ठ नागरिक (60 वर्ष से अधिक आयु) होना चाहिए और आयकर दाता नहीं होना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति भी पुन: पात्र होंगे जिनकी पिछली तीर्थ यात्रा को 5 वर्ष पूरे हो चुके हों। यात्री को शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम होना चाहिए और किसी संक्रामक रोग जैसे टीबी, मानसिक व्याधि या संक्रामक कुष्ठ से ग्रसित नहीं होना चाहिए।

तीर्थयात्रा ट्रेन रीवा से 23 नवंबर को रवाना होगी: यदि जीवन साथी (पति या पत्नी) भी यात्रा पर जाना चाहते हैं, तो उनका आवेदन भी मुख्य आवेदक के साथ ही जमा करना होगा। 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के आवेदकों के साथ एक सहायक यात्रा पर जा सकता है। सहायक की आयु 18 वर्ष से अधिक और 50 वर्ष से कम होनी चाहिए।

तीर्थयात्रा ट्रेन रीवा से 23 नवंबर को रवाना होगी। कलेक्टर ने समस्त तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्राधिकार से प्राप्त आवेदनों को संकलित कर निर्धारित प्रपत्र में एकजाई सूची कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

सलैया पंचायत में ब्लर बिल का काला खेल, जनता की आंखों में धूल!

मैहर। सलैया पंचायत में सरकारी धन के दुरुपयोग का खेल खुलेआम जारी है। पंचायत के सरपंच और सचिव पर आरोप हैं कि उन्होंने ब्लर बिल के माध्यम से करोड़ों रुपए के खर्च में गड़बड़ी की। पंचायत दर्पण वेबसाइट पर भी जानबूझकर सही जानकारी छुपाई जा रही है, जिससे पारदर्शिता का उल्लंघन साफ नजर आता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भ्रष्टाचार की यह आदत तहसील और जनपद कार्यालयों से आई है, जहाँ अवसर मिलने पर सरकारी धन के गलत इस्तेमाल की शिक्षा दी जाती है। सूत्रों के अनुसार, यह मामला लंबे समय से चल रहा है, लेकिन प्रशासन जांच के नाम पर अनदेखी कर रहा है। कई उपसरपंचों की शिकायतें फाइलों में धूल खा रही हैं, जबकि गरीब और आम जनता इसका सीधा शिकार हो रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।